RAJHIN/2016/70516

Bhilwara/171/2026-2028

सच्चाई से सरोकार

स्मार्ट हलचल

smarthalchal.com

वर्ष-10 | अंक-363 | जयपुर, रविवार, 28 जून 2026 | मूल्य-4 रूपये

खड़ी कार का एयरबैग खुलने से युवक की मौत

ठाणे। महाराष्ट्र के ठाणे में एक खड़ी कार में अचानक एयरबैग खुलने से 25 साल के कार डीलर की मौत हो गई। युवक का नाम मोहित सोनी है। वह एक 15 साल पुरानी कार के अंदर बैठा था। तभी अचानक गाड़ी का सेफ्टी सिस्टम एक्टिव हो गया। एयरबैग इतनी तेजी से खुला कि उसके जोरदार झटके से उसकों गंभीर चोटें आईं। ज्यादा खून बहने के कारण उसकी मौत हो गई। युवक को चोट कहां लगी इसकी जानकारी फिलहाल नहीं दी गई है। यह घटना बुधवार को ठाणे के काशिमीरा इलाके में हुई। पुलिस ने जानकारी शनिवार को दी।

पोटका में ब्रेन मलेरिया का प्रकोप, तीन बच्चों की मौत

पूर्वी सिंहभूम। पूर्वी सिंहभूम जिले के पोटका प्रखंड में ब्रेन मलेरिया का प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है। अब तक इस बीमारी से 3 बच्चों की मौत हो चुकी है, जबकि 16 नए संक्रमित मरीज मिलने के बाद स्वास्थ्य विभाग व प्रशासन की चिंता बढ़ गई। प्रभावित गांवों व छात्रावासों में स्वास्थ्य विभाग की टीमें जांच, उपचार, दवा वितरण व जागरूकता अभियान चला रही हैं।

श्रीराम मंदिर में चढ़ावा चोरी का मामला

चंपत राय व अनिल मिश्रा का त्यागपत्र मिला, अगली बैठक में होगा विचार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के अयोध्या में श्रीराम मंदिर चढ़ावे से जुड़े विवाद के बीच श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र (न्यास) के कोषाध्यक्ष स्वामी गोविंददेव गिरी ने बताया है कि महामंत्री चंपत राय व न्यासी अनिल मिश्रा का त्यागपत्र मिला है। उन्होंने बताया न्यास आगामी बैठक में इस पर विचार करेगा। न्यास के कोषाध्यक्ष स्वामी गोविंददेव गिरी ने शनिवार को जारी विज्ञप्ति में कहा है कि श्रीराम मंदिर में पिछले कुछ दिनों से सुनी घटनाओं से हम स्तब्ध, आहत और अत्यंत दुखी है। समस्त रामभक्तों और रामसेवकों के प्रतिनिधि के रूप में यहां सेवा करने वाले हम इसकी न्यायपूर्ण जांच एवं रामभक्तों को आश्वस्त करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

शांति समझौता खतरे में: अमेरिका ने ईरान के मिसाइल-ड्रोन ठिकानों पर हमला किया

ईरान ने अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी

मध्य पूर्व के सबसे संवेदनशील और रणनीतिक समुद्री मार्ग 'स्ट्रेट ऑफ होर्मुज' में वैश्विक व्यापारिक जहाजों की सुरक्षा को लेकर अमेरिका और ईरान के बीच एक बार फिर सीधे युद्ध जैसी परिस्थितियां बन गई हैं। होर्मुज जलमार्ग से गुजर रहे एक कमर्शियल कार्गो शिप पर ईरानी सेना द्वारा किए गए हमले से बौखलाए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने शुक्रवार को एक अत्यंत आक्रामक और बड़ा सैन्य पलटवार किया है।

अमेरिकी वायुसेना के लड़ाकू विमानों ने ईरान की सीमाओं के भीतर घुसकर उसके कई संवेदनशील ठिकानों पर ताबड़तोड़ हवाई हमले किए। इस भीषण एयरस्ट्राइक में मुख्य रूप से ईरान की मिसाइल लॉन्चिंग साइट्स, आत्मघाती ड्रोन स्टोरेज डिपो और तटीय इलाकों में तैनात कोस्टल रडार सिस्टम को निशाना बनाकर पूरी तरह नेस्तनाबूद कर दिया गया है।

दूसरी ओर, ईरान की सरकारी न्यूज एजेंसी IRNA के मुताबिक रिवोल्यूशनरी गार्ड्स (IRGC) की नौसेना ने दावा किया है कि उसने जवाब में क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया है

ईरान की संसद के सदस्य इब्राहिम अजीजी ने एक्स पर लिखा कि अमेरिका ने एक बार फिर बातचीत के बीच ईरान पर हमला किया है। युद्धविराम का यह उल्लंघन अमेरिका के लिए पीछे हटने और पछतावे की वजह बनेगा।

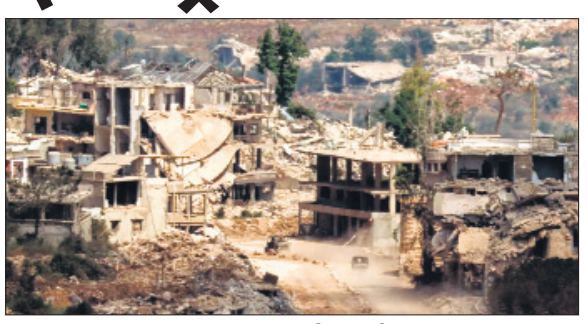

यह सीजफायर डील का मूर्खतापूर्ण उल्लंघनः ट्रंप

सैन्य कार्रवाई के तुरंत बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर एक के बाद एक कई पोस्ट कर इस हवाई हमले की पुष्टि की। ट्रंप ने दावा किया कि ईरान ने अंतरराष्ट्रीय नियमों को ताक पर रखकर रणनीतिक जलमार्ग से शांतिपूर्वक गुजर रहे जहाजों पर बेहद खतरनाक 'वन-वे अटैक ड्रोन' दागे थे। ट्रंप ने ईरान के इस कदम को दोनों देशों के बीच हुए संघर्ष-विराम समझौते का बेहद मूर्खतापूर्ण और अक्षम्य उल्लंघन बताया। उन्होंने स्पष्ट किया कि अमेरिकी हितों और अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक मार्गों की सुरक्षा के लिए वे किसी भी हद तक जाने को तैयार हैं और ईरान को उसकी इस हिमाकत की भारी विधिक व सैन्य कीमत चुकानी होगी।

होर्मुज पर नियंत्रण दिखाने की कोशिश में ईरान-अमेरिका

रोम की अमेरिकन यूनिवर्सिटी के एक्सपर्ट एंड्रिया डेसी का मानना है कि ईरान और अमेरिका दोनों यह दिखाना चाहते हैं कि होर्मुज स्ट्रेट पर नियंत्रण रखने या वहां गतिविधियों को प्रभावित करने की क्षमता उनके हाथ में है। डेसी के मुताबिक, हालिया तनाव यह दिखाता है कि ईरान और अमेरिका के बीच हुआ मेमोरेंडम बेहद नाजुक स्थिति में है और किसी भी समय टूट सकता है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के हित में यही है कि हालात युद्ध में न बदलें। हालांकि, बातचीत के साथ-साथ अगले 60 दिनों में इस तरह के तनावपूर्ण घटनाक्रम बार-बार देखने को मिल सकते हैं।

ईरान बोला- अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया

ईरान के विदेश मंत्रालय ने कहा कि ईरानी सेना ने अमेरिका से जुड़े ठिकानों पर हमला किया है। मंत्रालय के मुताबिक यह कार्रवाई ईरान के दक्षिणी तटीय इलाकों पर हुए अमेरिकी हवाई हमलों के जवाब में की गई। बयान में कहा गया कि अमेरिकी हमले संयुक्त राष्ट्र चार्टर और दोनों देशों के बीच युद्ध समाप्त करने के लिए हुए मेमोरेंडम का उल्लंघन हैं। हालांकि, ईरान ने यह नहीं बताया कि किन ठिकानों को निशाना बनाया गया और वे किस स्थान पर स्थित हैं।

खामेनेई के प्रतिनिधि बोले- अमेरिका से कभी समझौता नहीं होगा

ईरान के सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई के रिवोल्यूशनरी गार्ड में प्रतिनिधि अब्दुल्ला हाजी-सादेघी ने शनिवार को कहा कि रिवोल्यूशनरी गार्ड कभी भी अमेरिका के साथ समझौता नहीं करेगा और उसका मकसद इजराइल का खात्मा करना है। हाजी-सादेघी ने कहा कि अगर अमेरिका के साथ कोई बातचीत होती भी है, तो उसका मकसद शांति या दोस्ती नहीं होगा। उन्होंने कहा कि धार्मिक सिद्धांतों के आधार पर अमेरिका के प्रति विरोध जारी रहेगा।

मुंबई-मुहर्रम जुलूस में दर्द की दवा बताकर जहरीले कैप्सूल बांटे

पुलिस ने 14,900 कैप्सूल के साथ व्यक्ति को पकड़ा, चूहे मारने वाला जहर भरा था

मुंबई

मुंबई में मोहर्रम जुलूस के दौरान लोगों को जिंक फॉस्फाइड के जहरीले कैप्सूल बांटने का मामला सामने आया है। मुंबई पुलिस के मुताबिक, आरोपी फैयाज प्रेमजी 'दर्द से राहत' के नाम पर लोगों को ये कैप्सूल देने की कोशिश कर रहा था। मामला मुंबई के जेजे और भायखला इलाके का है। जूलूस के दौरान आरोपी ने कई लोगों को ये कैप्सूल दिए थे। इनमें से एक शख्स का पेट दर्द और उल्टी होने लगी। इसके बाद लोगों को कुछ शक हुआ तो पुलिस से शिकायत की गई।

पुलिस ने आरोपी को 14,900 कैप्सूल के साथ गिरफ्तार किया। उसने हर कैप्सूल में करीब एक ग्राम जहर भरा था। इसके लिए 50 किलो जिंक फॉस्फाइड मंगाया था। आरोपी करीब 30 हजार जहरीले कैप्सूल बनाने की तैयारी में था। जिंक फॉस्फाइड का इस्तेमाल चूहे मारने वाली दवा बनाने के लिए किया जाता है।

फैयाज पुणे का रहने वाला था, ईरान, इराक गया था

फैयाज पुणे का रहने वाला है और पेंट का कारोबार करता है। डीसीपी जयंत मीणा ने बताया, 'पूछताछ में पता चला कि आरोपी मुहर्रम जुलूस को निशाना बनाना था। साल 2025 में ईरान और इराक गया था। इन यात्राओं का उद्देश्य क्या था और क्या इनका इस मामले से कोई संबंध है, इसकी भी जांच की जा रही है।'

जिंक फॉस्फाइड का इस्तेमाल मुख्य रूप से चूहों को मारने के लिए किया जाता है। यह गहरे भूरे या काले रंग का केमिकल होता है, जिसे दुनिया के सबसे खतरनाक रोडेंटिसाइड में गिना जाता है।

जिंक फॉस्फाइड पेट में पहुंचने के बाद वहां मौजूद एसिड और नमी के संपर्क में आकर फॉस्फीन गैस बनाता है। यह गैस शरीर की कोशिकाओं को ऑक्सीजन का उपयोग करने से रोक देती है, जिससे कई अंग तेजी से फेल होने लगते हैं।

महाराष्ट्र में एग्जाम से एक दिन पहले टीईटी पेपर लीक, परीक्षा रद्द

पेपर ठाणे से बरामद, सरकारी टीचर्स के लिए ये परीक्षा जरूरी

मुंबई

महाराष्ट्र में शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) का क्वेश्चन पेपर करीब 24 घंटे पहले लीक हो गया। एग्जाम रविवार को होना था। महाराष्ट्र स्टेट एग्जामिनेशन काउंसिल ने इसके बाद परीक्षा स्थगित कर दी है। नई तारीखों का ऐलान बाद में किया जाएगा।

पुलिस के मुताबिक, क्वेश्चन पेपर लीक की सूचना के बाद ठाणे के भिवंडी इलाकों के कई जगहों पर छापेमारी की। इसके बाद एग्जामिनेशन काउंसिल के अफसरों को बुलाया और जब्त पेपर को वेरिफाई कराया गया

पुलिस ने बताया कि इस मामले में कई लोगों को हिरासत में लिया है। हालांकि संख्या नहीं बताई है। यह कार्रवाई एग्जाम के 24 घंटे पहले की गई। परीक्षा में 4.28 लाख ज्यादा उम्मीदवार शामिल होने वाले थे। महाराष्ट्र में टीचर बनने के लिए या जो पहले से सरकारी टीचर हैं, उनके लिए भी टीईटी कंपलसरी है।

सुप्रीम कोर्ट ने 29 मई को आदेश दिया था कि स्कूलों में काम कर रहे शिक्षकों के लिए टीचर इलिजिबिलटी टेस्ट (टीईटी) पास करना अनिवार्य है। कोर्ट ने टीईटी पास करने की समय सीमा 31 अगस्त 2027 से बढ़ाकर 31 अगस्त 2028 कर दी।

सेशेल्स में पीएम मोदी का भव्य स्वागत

बोटैनिकल गार्डन में लगाया पौधा, नेशनल डे के जश्न में होंगे शामिल

सेशेल्स को सौंपे मेड इन इंडिया गश्ती जहाज और सुरक्षा वाहन

विक्टोरिया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को अपनी तीन दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर सेशेल्स पहुंचे। अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सेशेल्स के राष्ट्रपति डॉ. पैट्रिक हर्मिनी और एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने उनका भव्य स्वागत किया। इस दौरान पीएम मोदी को वहां औपचारिक 'गार्ड ऑफ ऑनर' भी दिया गया। प्रधानमंत्री ने हवाई अड्डे पर मिले इस स्नेह के लिए राष्ट्रपति हर्मिनी का आभार व्यक्त किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सेशेल्स की समुद्री सुरक्षा व विकास मजबूत करने के लिए सेशेल्स कोस्टगार्ड बेस पर आयोजित समारोह में मेड इन इंडिया फास्ट पेट्रोल वेसल पीएस लेस्पवार समेत कई वाहन और नावें सौंपी। यह आधुनिक गश्ती जहाज सेशेल्स की समुद्री निगरानी और उसके विशेष आर्थिक क्षेत्र की पेट्रोलिंग क्षमताओं को मजबूती प्रदान करेगा।

सेशेल्स पहुंचने के बाद पीएम मोदी ने राष्ट्रपति डॉ. पैट्रिक हर्मिनी के साथ नेशनल बोटैनिकल गार्डन का दौरा किया। वहां उन्होंने एक पौधा लगाकर द्विपक्षीय संबंधों की जड़ों को और गहरा करने का प्रतीक पेश किया।

जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े मामले में गिरफ्तार महिला न्यायिक हिरासत में भेजी

पाकिस्तान स्थित हैंडलरों से ऑनलाइन संपर्क और ट्रेनिंग के मिले सुराग

जयपुर

प्रतिबंधित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े जासूसी एवं संदिग्ध आतंकी गतिविधियों के मामले में गिरफ्तार आरोपित महिला बबीता धाकड़ को सात दिन की रिमांड अवधि पूरी होने के बाद शनिवार को अपर सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट संख्या-11, जयपुर महानगर द्वितीय की अदालत में पेश किया गया। अदालत ने आरोपित को न्यायिक हिरासत में जेल भेजने के आदेश दिए। कोर्ट में पेशी के दौरान आरोपित महिला मीडिया से बचने के लिए मुंह छिपाकर तेजी से कोर्ट परिसर में जाती दिखाई दी।

राजस्थान एंटी टेररिस्ट स्क्वॉड (एटीएस) ने मिलिट्री इंटेलिजेंस से प्राप्त सूचना के आधार पर आरोपित महिला बबीता धाकड़ को गिरफ्तार किया था। जांच में सामने आया कि आरोपित प्रतिबंधित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के एक हैंडलर के संपर्क में थी और संगठन के लिए स्लीपर सेल के रूप में सक्रिय होने की तैयारी कर रही थी। वह संगठन से सक्रिय रूप से जुड़ने के लिए देश से बाहर जाने की फिराक में थी, लेकिन उससे पहले ही एटीएस ने उसे गिरफ्तार कर लिया।

एटीएस के पुलिस अधीक्षक मनीष त्रिपाठी के अनुसार आरोपित महिला सोशल मीडिया के माध्यम से प्रतिबंधित संगठन के हैंडलर के संपर्क में आई थी। पूछताछ में यह भी सामने आया है कि उसके संबंध अन्य प्रतिबंधित संगठनों से भी जुड़े हुए थे।

वेनेजुएला में फिर भूकंप के झटके, अब तक 1430 मौतें

करीब 3300 घायल, 51 हजार लापता

कराकस, वेनेजुएला

दक्षिण अमेरिकी देश वेनेजुएला में 25 जून को आए दो भूकंप के बाद स्थानीय समयानुसार शुक्रवार दोपहर को एक और भूकंप आया। देश के उत्तरी तट के पास आए इस भूकंप की तीव्रता 4.9 मापी गई है। रॉयटर्स के मुताबिक, राजधानी कराकास और माराके में भी झटके महसूस किए गए।

इधर, पिछले भूकंप के तीन दिन बाद मरने वालों की संख्या बढ़कर 1430 हो गई है। 3360 से ज्यादा घायल हैं, जबकि 51,700 से ज्यादा लोग लापता हैं। अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि अब तक 243 लोगों को जिंदा बचाया गया है। मृतकों की संख्या और बढ़ सकती है। कई इलाकों में राहत टीमों की कमी के कारण लोग परिजन को ढूंढ़ने के लिए खुद मलबा हटा रहे हैं। कई परिवार हथौड़ों और दूसरे औजारों से इमारतों का मलबा हटाकर अपने परिजन की तलाश कर रहे हैं।

दिल्ली-एनसीआर और जम्मू-कश्मीर में भूकंप के तेज झटके

अफगानिस्तान में आए 6.2 तीव्रता के भूकंप का असर

श्रीनगर

अफगानिस्तान के हिंदूकुश क्षेत्र में शनिवार शाम 7.04 बजे 6.2 तीव्रता का भूकंप आया। इसका असर अफगानिस्तान समेत 8 देश भारत, पाकिस्तान, चीन, ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान, किर्गिस्तान और तुर्कमेनिस्तान में देखा गया।

देश में जम्मू-कश्मीर और दिल्ली-एनसीआर में भी झटके महसूस किए गए। लोग घरों और दफ्तरों से बाहर निकल आए। हालांकि, अब तक किसी तरह के जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं है। इसका केंद्र उत्तर-पूर्वी अफगानिस्तान में कलाफगान से करीब 81 किलोमीटर दूर था और गहराई 215द्मद्ब थी।

श्रीनगर के रहने वाले इम्तियाज अहमद ने बताया कि वह घर के बाहर कुर्सी पर बैठे हुए थे। तभी कुर्सी और बिजली की तारें हिलने लगीं। वहीं स्टूडेंट वहीद ने कहा कि वह रास्ते में थे तभी उन्हें हल्के झटके महसूस हुए।

मुख्यमंत्री ने की एमएसएमई, हस्तशिल्प, स्टार्टअप एवं इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं

33 लाख से अधिक एमएसएमई के साथ राजस्थान देश का चौथा सबसे बड़ा राज्य

हस्तशिल्पियों, बुनकरों एवं सूक्ष्म उद्यमों के उत्पादों के लिए विकसित होंगे हाट

जयपुर

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम प्रदेश की आर्थिक प्रगति, रोजगार सृजन और आत्मनिर्भरता के आधार हैं। राज्य सरकार युवाओं को उद्यमिता के लिए प्रोत्साहित करने, स्थानीय उत्पादों को वैश्विक पहचान दिलाने तथा विकास और विरासत के समन्वय के साथ राजस्थान को देश का अग्रणी औद्योगिक राज्य बनाने की दिशा में निरंतर प्रयास कर रही है। मुख्यमंत्री शनिवार को अंतर्राष्ट्रीय एमएसएमई दिवस पर जयपुर के कॉन्स्टीट्यूशनल क्लब में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सरकार की नीतियों, प्रयासों एवं हमारे उद्यमियों के साहस, आत्मविश्वास और कर्मठता के चलते 33 लाख से अधिक एमएसएमई उद्यमों के साथ राजस्थान आज देश का चौथा सबसे बड़ा एमएसएमई राज्य बन गया है। प्रदेश की डबल इंजन सरकार उद्योगों और उद्यमिता को प्रोत्साहित करने के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है। राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट ने प्रदेश में निवेश और औद्योगिक विकास का एक नया विश्वास स्थापित किया है।

एक साल में 1600 से अधिक औद्योगिक भूखंड आवंटित

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की डबल इंजन सरकार द्वारा उद्योगों हेतु भूमि उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए डायरेक्ट अलॉटमेंट पॉलिसी-2025 लागू की गई है, जिसके चलते पिछले एक वर्ष में राज्यभर में 1600 से अधिक औद्योगिक भूखंडों का आवंटन किया गया है। वहीं, 23 प्राथमिक क्षेत्रों में जरूरी सुधार लागू किए हैं। साथ ही, शहरी क्षेत्रों में एमएसएमई इकाइयों के लिए लैंड यूज अप्रूवल की समय-सीमा 60 दिनों से घटाकर 30 दिन, उद्योग शुरू करने में दी जाने वाली स्वीकृति जारी करने की समय-सीमा 120 दिनों से घटाकर 30 दिन कर दी गई है। इसी प्रकार गैर-प्रदूषणकारी उद्योगों की व्हाइट कैटेगरी सूची को 104 से बढ़ाकर 877 उद्योगों तक विस्तारित किया है, जिससे हजारों एमएसएमई को राहत मिली है।

उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि सरकार उद्योगों के अनुकूल वातावरण तैयार करने के लिए रीति-नीति एवं योजनाएं तैयार कर रही है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने 33 नए औद्योगिक क्षेत्र विकसित किए हैं। इसके लिए वित्तीय और प्रशासनिक स्वीकृति भी दे दी गई है।

उद्योग एवं वाणिज्य राज्यमंत्री के. के. विश्नोई ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार नवाचार, सुशासन और प्रभावी प्रबंधन के माध्यम से एमएसएमई, कौशल विकास तथा उद्योग क्षेत्र को नई गति दे रही है।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने राजस्थान औद्योगिक विकास नीति, ओडीओपी कॉफी टेबल बुक का विमोचन और रैम्प (राइजिंग एंड एक्सीलरेटिंग एमएसएमई परफॉर्मेंस) पोर्टल का शुभारंभ किया।

प्रसूताओं की मौत के मामला

इंजेक्शन का सैंपल जांच में फेल, कंपनी का लाइसेंस रद्द

जयपुर

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने ऑक्सीटोसिन इंजेक्शन को बनाने वाली कंपनी के लाइसेंस को रद्द कर दिया है। राजस्थान में प्रसूताओं की मौत के होने के पीछे इसी इंजेक्शन के उपयोग को कारण बताया जा रहा है। इस पूरे मामले की विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भारत सरकार से रिपोर्ट मांगी है। इसमें WHO ने पूछा है कि ऐसा मामला केवल एक ही क्षेत्र में देखने को मिला है या एक से ज्यादा जगह? साथ ही इसके पीछे क्या कारण हैं, इस पर भी जानकारी मांगी है।

दरअसल, राजस्थान के कोटा में हुई घटना के बाद राजस्थान ड्रग कंट्रोल डिपार्टमेंट ने वहां मौजूद दवाइयों, इंजेक्शन और सर्जिकल आइटम की जांच की। इसकी रिपोर्ट में मैसर्स जैक्सन लेबोरेट्रीज प्रा.लि. अमृतसर (पंजाब) का इंजेक्शन TOCIN का सैंपल जांच में फेल मिला। इंजेक्शन में मौजूद ऑक्सीटोसिन कम्पोनेंट पर्याप्त मात्रा में नहीं मिला। कोटा में प्रसूताओं को इसी कंपनी के 1 एमएल क्वांटिटी के इंजेक्शन लगाए गए थे, यहां 5 प्रसूताओं की मौत हो गई थी।

इसके बाद सेंट्रल ड्रग स्टेंडर्ड कंट्रोल ऑर्गेनाइजेशन ने कंपनी के पंजाब और हिमाचल प्लांट की जांच की और जांच के बाद टीम ने इस कंपनी के लाइसेंस को रद्द करने की सिफारिश की।

वाराणसी से स्पाइसजेट की सभी उड़ानें बंद : महंगे एटीएफ से परिचालन ठप

वाराणसी (एजेंसी)। वाराणसी हवाई अड्डे से स्पाइसजेट की सभी नियमित उड़ानें अनिश्चितकाल के लिए बंद हो गई हैं। एविएशन टरबाइन फ्यूल (एटीएफ) की लगातार बढ़ती कीमतों और परिचालन लागत में वृद्धि के कारण एयरलाइन ने फैसला लिया है। मुंबई जाने वाली स्पाइसजेट की अंतिम उड़ान के रवाना होने के साथ ही बनारस से कंपनी की सेवाएं समाप्त हुई। कंपनी ने पहले 25 जून को अंतिम उड़ान संचालित करने की घोषणा की थी। स्पाइसजेट, जो अब तक वाराणसी से करीब 14-15 उड़ानें संचालित कर रही थी, ने अपने सभी विमानों को दिल्ली और मुंबई के हैंगर पर लगा दिया है। महंगी हवाई यात्रा के कारण यात्रियों की संख्या में भी गिरावट देखी जा रही है, जिसने फैसले में भी भूमिका निभाई। इससे पहले स्पाइसजेट दिल्ली, मुंबई और पुणे जैसे कई प्रमुख शहरों के लिए सेवाएं दे रही थी। फिलहाल वाराणसी हवाई अड्डे से इंडिगो, एयर इंडिया और आकासा एयर अपनी उड़ानें मुंबई, दिल्ली, बेंगलुरु और हैदराबाद सहित अन्य प्रमुख शहरों के लिए संचालित कर रही हैं। हालांकि, पिछले दो महीनों में एटीएफ की कीमतों में हुई तेज बढ़ोतरी ने सभी एयरलाइंस की परिचालन लागत को काफी बढ़ा दिया है, जिसका असर पूरे विमानन क्षेत्र पर पड़ रहा है। अब अन्य विमान कंपनियों के आगामी फैसलों और उनकी सेवाओं पर सबकी निगाहें टिकी हैं।

ईडी की जांच तेज, पूर्व सीएम विजयन की बेटी को तीसरी बार समन की संभावना

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सीएमआरएल-एक्सालॉजिक मासप्पड़ी (मासिक भुगतान) मामले में जांच तेज की है। एजेंसी जांच रही है कि क्या कोचीन मिनरल्स एंड रूटाइल लिमिटेड (सीएमआरएल) को 2017-2020 के दौरान एलडीएफ सरकार से विशेष लाभ मिला, इसके बदले मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन की बेटी वीणा विजयन की आईटी कंपनी एक्सालॉजिक सॉल्यूशंस को भुगतान हुआ। ईडी इस क्विड प्रो क्वो (लेन-देन के बदले लाभ) मान रहा है। वीणा विजयन से हाल ही में कोच्चि ईडी कार्यालय में 10 घंटे से अधिक पूछताछ हुई, यह उनकी दूसरी पेशी थी। सूत्रों के अनुसार, उन्हें जल्द ही तीसरी बार बुलाया जा सकता है। केरल हाईकोर्ट की अनुमति से नया समन जारी हुआ। वह अपने पति, मंत्री पी.ए. मोहम्मद रियास के साथ ईडी कार्यालय पहुंची थीं। यह पूछताछ तब हुई, जब ईडी को कोच्चि कंपनी कोर्ट से गंभीर धोखाधड़ी जांच कार्यालय (एसएफआईओ) की चार्जशीट के 134 संलग्न दस्तावेज मिले। सीएमआरएल के विरोध के बावजूद अदालत ने आपत्ति खारिज की, और ईडी अब इन्हीं दस्तावेजों पर जांच बढ़ा रहा है। ईडी ने वीणा विजयन से एक्सालॉजिक-सीएमआरएल वित्तीय लेन-देन और सीएमआरएल को मिले कथित विशेष लाभों पर सवाल किए। वीणा विजयन ने कंसल्टेंसी कॉन्ट्रैक्ट को वैध बताया, पर ईडी उनके स्पष्टीकरण से संतुष्ट नहीं है। यह मामला आयकर निपटान आयोग की उन टिप्पणियों से उपजा है, जिनमें कहा गया था कि सीएमआरएल ने 2017-2020 के बीच एक्सालॉजिक को कंसल्टेंसी शुल्क के नाम पर 1.72 करोड़ रुपये दिए, बिना किसी कथित सेवा के। इन्हीं निष्कर्षों पर एसएफआईओ की जांच के बाद, ईडी ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत मनी लॉन्ड्रिंग का मामला दर्ज किया।

शंकराचार्य की कालजयी सीख : स्वयं को जानकर पाएं आंतरिक शांति

नई दिल्ली (एजेंसी)। अपनी तकदीर बदलने का रास्ता ढूंढ रहे हैं? आदि शंकराचार्य की एक कालजयी सीख हमें स्वयं को जानने की अहमियत बताती है। उन्होंने कहा था, स्वयं को जानना ही जीवन का सबसे बड़ा सत्य है, इसके बिना सब कुछ व्यर्थ है। इसका सीधा अर्थ है कि बाहरी वस्तुओं और पहचानों (जैसे नाम, काम, या सुख-सुविधाएं) के पीछे भागने के बजाय, हमें अपने भीतर मौजूद असली शक्ति को पहचानना होगा। हम केवल एक शरीर नहीं, बल्कि विचारों और भावनाओं को महसूस करने वाली उससे कहीं बड़ी सत्ता हैं। अक्सर हम बाहरी, क्षणभंगुर चीजों में खुशी तलाशते हैं, जो स्थायी नहीं होतीं। इसी कारण भय और चिंता बनी रहती है। शंकराचार्य का दर्शन सिखाता है कि जब तक हम स्वयं को नहीं पहचानते, तब तक बाहरी दुनिया से सच्ची और स्थायी शांति नहीं मिल सकती। स्वयं को जानने से मन शांत और स्थिर होता है। छोटी-छोटी बातों पर गुस्सा करना, दूसरों से तुलना करना या भविष्य का डर सताना कम हो जाता है। यह समझ विकसित होती है कि सच्ची खुशी और संतोष कहीं बाहर नहीं, बल्कि हमारे अपने भीतर ही विद्यमान है। यह सीख हमें आंतरिक शांति और एक बेहतर जीवन की ओर ले जाती है, जहाँ हम अपने असली स्वरूप को पहचानकर वास्तविक प्रसन्नता प्राप्त कर सकते हैं।

हेमा मालिनी का अद्वितीय घर : धर्मेंद्र की यादों से सजा सपनों का आशियाना

मुंबई (एजेंसी)। अभिनेत्री और सांसद हेमा मालिनी का मुंबई में स्थित 54 साल पुराना भव्य बंगला उनके जीवन की यात्रा का प्रतीक है, इस उन्होंने अपने पति धर्मेंद्र की अनमोल यादों से सजाया है। हाल ही में उनकी बेटी ईशा देओल ने इस घर का टूर दिया, जिससे इसके हर कोने की खासियत उजागर हुई। यह घर सिर्फ एक निवास स्थान नहीं, बल्कि हेमा मालिनी के मायानगरी में सपनों की शुरुआत, उनके नृत्य, स्टारडम और धर्मेंद्र संग उनकी प्रेम कहानी का साक्षी रहा है।

यह तीन मंजिला बंगला संस्कृति, कला और धर्मेंद्र की खूबसूरत यादों का संगम है। घर में क्लासिकल डांस की मुद्राओं को दर्शाती पेंटिंग्स हैं, साथ ही हेमा, ईशा और अहाना की परफॉर्मेंस की तस्वीरें दीवारों पर सजी हैं। नृत्य पर आधारित किताबें और नटराज की मूर्ति भी रखी है। एक विशेष डांस रिहर्सल रूम है जहां करीब 30 लोग एक साथ नृत्य कर सकते हैं और ध्यान भी कर सकते हैं। इस रूम में धर्मेंद्र की मुस्कुराती हुई एक बड़ी तस्वीर लगी है, जिसे देखकर ईशा भावुक हो जाती हैं। ऑफिस रूम हेमा मालिनी की पति और बच्चों संग पारिवारिक तस्वीरों से भरा है, जिसमें धर्मेंद्र-हेमा की एक थ्रेड आर्ट पेंटिंग भी खास है। बंगले में दो किचन हैं क्योंकि हेमा मालिनी मांसाहारी भोजन नहीं करतीं, इसलिए उनका किचन और कुक अलग हैं। सोफे पर प्रशंसकों द्वारा दिए गए पर्सनलाइज्ड कुशन रखे हैं, जिन पर हेमा और धर्मेंद्र की तस्वीरें हैं। ईशा ने बताया कि इस बंगले का सालों तक कोई नाम नहीं था, जिसे आध्यात्मिक गुरु श्री श्री रविशंकर ने अद्वितीय नाम दिया। घर के हर फ्लोर पर सदस्यों की अलग जगहें हैं, जिसमें ईशा और अहाना के फ्लोर का इंटीरियर भी अलग है।

टीएमसी से भाजपा में आए त्रिवेदी ने संभाला बांग्लादेश के उच्चायुक्त का पद

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली(ईएमएस)। तृणमूल कांग्रेस के पूर्व कद्दावर नेता और बाद में भारतीय जनता पार्टी में शामिल हुए दिनेश त्रिवेदी ने गुरुवार को बांग्लादेश में भारत के नए हाई कमिश्नर के रूप में अपना पदभार संभाला। पद संभालते ही उन्होंने बांग्लादेश की जनता के लिए एक महत्वपूर्ण सौगात की घोषणा की है - लंबे समय से निलंबित सामान्य यात्रा वीजा (ट्रैवल वीजा) को फिर से शुरू किया जाएगा। यह घोषणा ढाका में भारतीय वीजा केंद्र में उनकी पहली सार्वजनिक उपस्थिति के दौरान की गई, जहां उन्होंने बांग्लादेशी नागरिकों को भारत आने के लिए फिर से यात्रा वीजा के लिए आवेदन करने की अनुमति मिलने की जानकारी दी।

76 वर्षीय दिनेश त्रिवेदी को 27 अप्रैल को बांग्लादेश में नियुक्त किया गया था, और वह इस प्रतिष्ठित राजनयिक पद पर कार्यभार संभालने वाले पहले राजनेता बन गए हैं। उनके पदभार ग्रहण करने से एक दिन पहले, नई दिल्ली में उन्हें गृह मंत्रालय द्वारा जारी एक आधिकारिक ज्ञापन के माध्यम से औपचारिक कार्यों के लिए केंद्रीय मंत्री का दर्जा प्रदान किया गया था, जो उनके महत्व को दर्शाता है। गुरुवार को, त्रिवेदी ने बंगभवन प्रेसिडेंशियल पैलेस में बांग्लादेश के राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन को अपने क्रेडेंशियल्स सौंपे, जिसके बाद उनके राजनयिक कार्यों की औपचारिक शुरुआत हुई। इस अवसर पर प्रेसिडेंट गार्ड रेजिमेंट की एक टुकड़ी ने उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर भी दिया।

लगभग दो साल पहले, मोहम्मद यूनुस के अंतरिम शासन के दौरान बांग्लादेश में बिगड़ती सुरक्षा स्थितियों और नई दिल्ली के साथ संबंधों में आई खटास के कारण ट्रैवल वीजा रोक दिए गए थे। दिनेश त्रिवेदी की घोषणा से बांग्लादेशी नागरिकों में काफी खुशी है, क्योंकि अब वे पर्यटन, चिकित्सा उपचार, सरकारी और व्यावसायिक कार्यों, और तीसरे देशों की यात्रा के लिए भारत आ सकेंगे। उन्होंने बताया कि वीजा आवेदन 28 जून से जमा किए जा सकते हैं और ये ढाका, राजशाही, चटगांव, सिलहट और खुलना सहित सभी पांच केंद्रों से जारी किए जाएंगे। त्रिवेदी ने यह भी आश्वासन दिया कि भविष्य में इस प्रक्रिया को और बढ़ाया जाएगा और मानवीय कारणों से जारी किए जाने वाले तत्काल चिकित्सा वीजा पहले की तरह जारी रहेंगे। दिनेश त्रिवेदी ने करियर राजनयिक प्रणय कुमार वर्मा का स्थान लिया है। वह 12 जून को बांग्लादेश के पश्चिमी बेनापोल-पेट्रापोल लैंड बॉर्डर के रास्ते ढाका पहुंचे थे। उनका यह कदम दोनों देशों के बीच संबंधों को मजबूत करने और जनता के स्तर पर संपर्क को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है। भारत और बांग्लादेश के बीच मजबूत सांस्कृतिक और आर्थिक संबंध हैं, और यात्रा वीजा की बहाली से दोनों देशों के लोगों के बीच आवाजाही फिर से सुगम होगी, जिससे व्यापार, पर्यटन और व्यक्तिगत संबंधों को फिर से बढ़ावा मिलेगा।

अयोध्या पहुंचे पूर्व सीएम केजरीवाल ने कहा- चढ़ावा चोरी महापाप

-एफआईआर के बाद छोटे कर्मचारियों को किया गिरफ्तार

अयोध्या (एजेंसी)। राम मंदिर में चंदा चोरी का मामला अभी तूल पकड़ा हुआ है, इसी बीच दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल शुक्रवार सुबह अयोध्या पहुंचे। उन्होंने सबसे पहले राम मंदिर पहुंचकर रामलला के दर्शन और पूजा-अर्चना की। इसके बाद उन्होंने राम दरबार के दर्शन किए और लगभग 15 मिनट तक मंदिर परिसर में रहे। मंदिर दर्शन के बाद केजरीवाल हनुमानगढ़ी पहुंचे, जहां उन्होंने पूजा-अर्चना की। इस दौरान उन्होंने कहा कि चढ़ावे की चोरी अत्यंत गंभीर मामला है। रामलला के दर्शन के बाद मीडिया से बातचीत में अरविंद केजरीवाल ने कहा, 'चढ़ावा चोरी महापाप है। एफआईआर के बाद छोटे-छोटे कर्मचारियों को गिरफ्तार किया गया है। शाम चार बजे प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस विषय पर विस्तार से बात करूंगा।' केजरीवाल के इस बयान के बाद मामले को राजनीतिक रंग मिलने की भी संभावना जताई जा रही है। उनकी प्रस्तावित प्रेस कॉन्फ्रेंस पर अब राजनीतिक दलों और श्रद्धालुओं की नजरें टिकी हुई हैं। उधर, पुलिस का कहना है कि जांच निष्पक्ष तरीके से आगे बढ़ाई जा रही है और सभी तथ्यों की गहन पड़ताल की जा रही है। मामले में आगे और गिरफ्तारियां होने की संभावना से भी इनकार नहीं किया गया है।

कोर्ट ने पुलिस को दी नसीहत कहा- एग्जाम पेपर और प्राइवेट पार्ट में फर्क करें

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात हाईकोर्ट ने एक ऐसे मामले की सुनवाई करते हुए महत्वपूर्ण टिप्पणी की है, जिसने सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) अधिनियम के तहत प्राइवेसी उल्लंघन के आरोपों के दायरे पर सवाल खड़े कर दिए। हाईकोर्ट ने एक कैंडिडेट पर लगे प्राइवेसी उल्लंघन के आरोप को खारिज कर दिया, जिसे गुजरात लोक सेवा आयोग (जीपीएससी) की परीक्षा के दौरान प्रश्नपत्र की तस्वीर खींचकर व्हाट्सएप पर भेजने का दोषी ठहराया गया था। अदालत ने स्पष्ट किया कि किसी परीक्षा के पेपर की फोटो खींचना और उसे साझा करना आईटी अधिनियम की उस धारा के तहत नहीं आता, जो किसी व्यक्ति के निजी अंगों से जुड़ी निजता के उल्लंघन के लिए बनाई गई है।

जस्टिस पी एम रावल की सिंगल बेंच ने 16 जून को हार्दिक पुरोहित और राहुल पुरोहित नाम के दो भाइयों की याचिका पर यह अहम आदेश सुनाया। इन दोनों भाइयों ने वर्ष 2018 में अपने खिलाफ दर्ज हुई एफआईआर को रद्द करने के लिए हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। अदालत ने न केवल आईटी एक्ट की धारा हटाई, बल्कि सरकारी आदेश की अवहेलना करने वाली धारा को भी खारिज कर दिया। हालांकि, कोर्ट ने पुलिस को अन्य संभावित अपराधों के लिए अपनी जांच जारी रखने की छूट दी है, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि न्याय का मार्ग बाधित न हो। यह विवाद वर्ष 2018 का है। एफआईआर के अनुसार, जीपीएससी परीक्षा के दौरान कैंडिडेट हार्दिक पुरोहित ने कथित तौर पर चालाकी से एग्जाम हॉल के अंदर प्रश्नपत्र की फोटो खींच ली थी। इसके बाद, उसने ये तस्वीरें अपने भाई राहुल पुरोहित को व्हाट्सएप के माध्यम से भेज दी थीं। जब यह मामला सामने आया, तो पुलिस ने दोनों भाइयों के खिलाफ आपराधिक साजिश (आईपीसी 120-बी), सरकारी कर्मचारी के कानूनी आदेश की नाफरमानी (आईपीसी 188) और आईटी एक्ट की धारा 66-ई के तहत मामला दर्ज कर लिया। इसी एफआईआर के खिलाफ दोनों भाई न्याय के लिए हाईकोर्ट पहुंचे थे। सुनवाई के दौरान, गुजरात हाईकोर्ट ने पुलिस द्वारा लगाई गई आईटी एक्ट की धारा 66-ई पर कड़ा रुख अपनाते हुए महत्वपूर्ण कानूनी व्याख्या की। कोर्ट ने कानून की बारीकियों को समझाते हुए कहा कि यह धारा मुख्य रूप से किसी व्यक्ति की सहमति के बिना उसके प्राइवेट पार्ट्स (निजी अंगों) की तस्वीरें खींचने, उन्हें प्रकाशित करने या ट्रांसफर करने के अपराध से निपटने के लिए बनाई गई है। अदालत ने स्पष्ट रूप से कहा कि व्हाट्सएप के जरिए भाई को क्रेश्चन पेपर की फोटो भेजना, किसी व्यक्ति के प्राइवेट एरिया की फोटो खींचने या उसे वायरल करने के दायरे में नहीं आता। इसलिए इस मामले में आईटी एक्ट की धारा 66-ई लागू ही नहीं होती। इस टिप्पणी ने कानून के सही अनुप्रयोग पर जोर दिया।

पुलिस ने इस केस में आईपीसी की धारा 188 भी लगाई थी, जो किसी लोक सेवक के कानूनी आदेश का पालन न करने पर लागू होती है। पुलिस का तर्क था कि एग्जाम हॉल में मोबाइल ले जाना प्रतिबंधित था, फिर भी आरोपी मोबाइल अंदर ले गया। हालांकि, कोर्ट ने स्पष्ट किया कि जीपीएससी द्वारा उम्मीदवारों को मोबाइल न लाने के जो निर्देश दिए जाते हैं, उन्हें किसी सरकारी अफसर की तरफ से जारी किया गया आधिकारिक कानूनी आदेश नहीं माना जा सकता। परीक्षा के नियम अलग बात हैं और कानूनन सरकारी आदेश अलग। इस स्पष्टीकरण के साथ, कोर्ट ने धारा 188 भी खारिज कर दी। इन बड़ी धाराओं से दोनों भाइयों को राहत मिल गई है, लेकिन उनकी मुश्किलें पूरी तरह खत्म नहीं हुई हैं। गुजरात हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया है कि वह केवल इन दो धाराओं (आईपीसी 188 और आईटी एक्ट 66-ई) को हटा रहे हैं।

देश के 20 राज्यों में मॉनसून सक्रिय, झमाझम बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूपी,एमपी,बिहार जैसे करीब 20 राज्यों में झमाझम बारिश होने का अलर्ट मौसम विभाग ने जारी किया है। मौसम विभाग के मुताबिक अगले तीन से चार दिन में ही दक्षिण पश्चिम मॉनसून पश्चिम बंगाल, गुजरात, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और बिहार के बाकी हिस्सों को कवर करता हुआ उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड को तर करने लगेगा। फिलहाल मौसम विभाग ने 20 राज्यों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। कई राज्यो में 40 से 70 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से हवाएं चलने का अनुमान है।वहीं पूर्वी उत्तर प्रदेश को अभी राहत मिलती नहीं दिख रही है। अगले तीन से चार दिन लू का प्रकोप देखने को मिलेगा। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक इस सप्ताह पूर्वोत्तर के सभी राज्यों, पश्चिमी तट और उप हिमालयी पश्चिम बंगाल में भारी बारिश हो सकती है। 27 से 29 जून के बीच सिक्किम में मूसलाधार बारिश होगी। इसके अलावा जम्मू-कश्मीर, हिमाचल, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार, दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, झारखंड, अंडमान निकोबार द्वीपसमूह, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और ओडिशा में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है।

यूपी, बिहार, झारखंड और राजस्थान का मौसम

उत्तर प्रदेश में लखनऊ, कानपुर, उन्नाव, हरदोई, रायबरेली, बाराबंकी, गोंडा, अयोध्या, अमेठी, सुल्तानपुर, प्रयागराज, कौशांबी, प्रतापगढ़ फतेहपुर, झांसी, जालौन, हमीरपुर, बांदा, आगरा मथुरा, अलीगढ़, मेरठ जिलों में हल्की बारिश हो सकती है। वहीं 27 और 28 जून को बारिश के आसार नहीं हैं। पूर्वी यूपी में कुछ जगहों पर बौछार पड़ सकती है। हालांकि इससे तापमान से ज्यादा राहत मिलने वाली नहीं है। 30 जून के बाद यूपी में बारिश की तेज गतिविधियां शुरू हो सकती हैं।

मौसम विभाग के मुताबिक बिहार में 26 जून को कुछ जगहों पर बारिश हो सकती है। वहीं ज्यादातर हिस्से में तेज धूप खुली रहेगी। दक्षिण पूर्व और दक्षिण मध्य बिहार में आंधी के साथ हल्की बारिश हो सकती है। वहीं झारखंड में अगले दो दिन लू का प्रकोप जारी रहेगा। 29 जून से यहां बारिश शुरू हो सकती है। पूर्वी राजस्थान और मध्य भारत के कुछ हिस्सों में अगले 5 से 7 दिन के दौरान दक्षिण-पश्चिम मानसून के आगे बढ़ने और अधिक सक्रिय होने के लिए परिस्थितियां अनुकूल होती जा रही हैं। मौसम विभाग के एक अधिकारी ने गुरुवार को यह जानकारी दी। मौसम विभाग के अनुसार, अगले 4 से 5 दिन के दौरान राजस्थान के विभिन्न हिस्सों में 50-60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने का पूर्वानुमान है। इस अवधि में राज्य के कई क्षेत्रों में हल्की से मध्यम बारिश होने की भी संभावना जताई गई है। मौसम विभाग के अनुसार, 26 जून से नौ जुलाई तक के मौसम पूर्वानुमान में कहा गया है कि आगामी सप्ताह के दौरान राजस्थान के पश्चिमी और पूर्वी दोनों हिस्सों में वर्षा गतिविधियां सामान्य से कम रहने की संभावना है।

दिल्ली में तेज सतही हवाएं चलेंगी

राष्ट्रीय राजधानी में मॉनसून-पूर्व बारिश जारी रहने का अनुमान जताया है, हालांकि गर्मी से राहत मिलने की कोई संभावना नहीं है। मौसम विभाग की आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, दिल्ली में आने वाले सात दिनों में दोपहर या शाम को तेज सतही हवाओं के साथ बहुत हल्की या हल्की बारिश जारी रहेगी। रविवार को बारिश नहीं होगी। हल्की बारिश के बावजूद दिल्ली में तापमान गर्म ही रहेगा। आगामी तीन दिनों में राजधानी का सर्वाधिक तापमान 39 डिग्री सेल्सियस और 41 डिग्री सेल्सियस के बीच बना रहेगा। सोमवार को तापमान में हल्की गिरावट आएगी और यह 37-39 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है।

पहाड़ी राज्यों का मौसम

जम्मू-कश्मीर में 26 जून से लेकर 30 जून तक कई जगहों पर आंधी के साथ बारिश हो सकती है। वहीं 1 जून से ऊंचाई वाले इलाकों में भारी बारिश का अनुमान लगाया गया है। हिमाचल प्रदेश में 26 से 29 जून तक हल्की से मध्यम बारिश का अनुमान है। 1 जुलाई को राज्य में व्यापक स्तर पर बारिश की उम्मीद है।उत्तराखंड के देहरादून, नैनीताल, हरिद्वार, ऊधमसिंह नगर, टिहरी गढ़वाल, अल्मोड़ा, चमोली, रूद्रप्रयाग और पिथौरागढ़ में 26 जून को हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है।

असम सरकार नशीले पदार्थों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रखेगी: सीएम सरमा

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने अंतर्राष्ट्रीय मादक पदार्थ दुरुपयोग और अवैध तस्करी विरोधी दिवस के मौके पर राज्य में नशे के खिलाफ अभियान तेज करने का संकल्प लिया। उन्होंने कहा कि सरकार युवाओं के भविष्य की रक्षा के लिए ड्रग्स के खिलाफ लगातार और सख्त कार्रवाई जारी रखेगी। मुख्यमंत्री सरमा ने बताया कि उनकी सरकार इस विषय पर गंभीरता से काम कर रही है और नशे के खिलाफ लगातार सख्त अभियान चला रही है, क्योंकि यह समाज के लिए गंभीर खतरा है। उन्होंने कहा कि सरकार उन ड्रग्स नेटवर्क को खत्म करने में जुटी है, जो असम में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी कर रहे हैं, और युवाओं को सामाजिक बुराई से बचाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। पिछले कुछ वर्षों में, असम सरकार ने नशे के खिलाफ आक्रामक अभियान चलाया है। असम पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियों ने संयुक्त अभियान चलाकर सैकड़ों ड्रग तस्करों को गिरफ्तार किया है। इस दौरान बड़ी मात्रा में हेरोइन, मेथामफेटामाइन की गोलियां और गांजा सहित अन्य प्रतिबंधित मादक पदार्थ जब्त किए गए हैं। राज्य सरकार का मानना है कि असम की संवेदनशील भौगोलिक स्थिति, जिसकी सीमाएं भूटान और बांग्लादेश से लगती हैं और यह पूर्वोत्तर भारत का प्रवेश द्वार है, इस ड्रग तस्करों के लिए एक प्रमुख मार्ग बनाती है। कुख्यात गोल्डन ट्रायंगल क्षेत्र से संचालित होने वाले ड्रग तस्करी नेटवर्क का असर यहां दिखाता है। इस कारण सरमा सरकार ने मादक पदार्थों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति अपना रखी है, जिसमें सख्त कानूनी कार्रवाई, जनजागरूकता अभियान और नशा मुक्ति एवं पुनर्वास कार्यक्रम भी शामिल हैं। हर साल 26 जून को मनाए जाने वाले इस दिवस का उद्देश्य वैश्विक स्तर पर सहयोग बढ़ाकर दुनिया को नशामुक्त करना, लोगों को मादक पदार्थों के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना और रोकथाम, उपचार तथा पुनर्वास के प्रयासों को मजबूत करना है।

केंद्रीय कैबिनेट और भाजपा संगठन में बड़े बदलाव की आहट : नितिन नवीन की तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल में पहली बार कैबिनेट में बड़े फेरबदल और भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के संगठनात्मक ढांचे में महत्वपूर्ण बदलाव की अटकलें तेज हुई हैं। सूत्रों के अनुसार, इन दोनों प्रक्रियाओं को एक साथ अंजाम दिया जा रहा है और पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन अपनी नई टीम के गठन को अंतिम रूप देने में जुटे हैं।

वहीं बीजेपी हलकों से पहले ही संकेत मिल रहे थे कि जून के अंत तक संगठन में व्यापक परिवर्तन देखने को मिल सकते हैं, जो केंद्रीय मंत्रिमंडल में होने वाले फेरबदल से सीधे तौर पर जुड़े हो सकते है। गुरुवार को नितिन नवीन की कुछ राज्य मंत्रियों के साथ हुई बैठकों ने इन अटकलों को पुख्ता किया है। पार्टी के भीतर माना जा रहा है कि उत्तरप्रदेश बीजेपी की नई कार्यकारिणी की घोषणा के बाद अब राष्ट्रीय स्तर पर भी संगठन में फेरबदल की बारी है। यूपी की नई टीम के गठन में युवाओं और विभिन्न पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) जातियों के प्रतिनिधित्व पर विशेष जोर दिया गया है। इस नई टीम के गठन को समाजवादी पार्टी के 'पीडीए' (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) समीकरण की प्रभावी काट के तौर पर देखा जा रहा है। इसी तर्ज पर, राष्ट्रीय संगठन में भी युवाओं, महिलाओं और विभिन्न महत्वपूर्ण जाति समूहों को अधिक प्रतिनिधित्व देने की संभावना है। पार्टी का लक्ष्य इन प्रमुख सामाजिक वर्गों में अपनी पकड़ मजबूत करना है। इधर, केंद्रीयद मंत्रिमंडल में फेरबदल की अटकलें तब तेज हो गईं, जब बीजेपी अध्यक्ष नवीन ने कुछ केंद्रीय राज्य मंत्रियों के साथ ताबड़तोड़ बैठकें कीं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार में बदलाव की प्रक्रिया को आखिरी समय तक गोपनीय रखने के लिए जाने जाते हैं, इसकारण इस मुद्दे पर आधिकारिक चुप्पी साधी गई है।

भारतीय पुरुषों और महिलाओं में बढ रही नशे की आदत: रिपोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय पुरुषों में शराब के सेवन की दर में वृद्धि देखी गई है, वहीं महिलाओं में तंबाकू के उपयोग का चलन कई राज्यों में बढ़ता जा रहा है। हालिया नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे (एनएफएचएस-6) रिपोर्ट ने भारत में नशे की आदतों को लेकर एक नया और चिंताजनक बदलाव उजागर किया है।

हालांकि राष्ट्रीय स्तर पर कुछ राहत के संकेत भी हैं। कुल मिलाकर महिलाओं में तंबाकू सेवन थोड़ा घटकर 8.9 प्रतिशत से 8.4प्रतिशत हुआ है, लेकिन इस राष्ट्रीय औसत के पीछे एक विपरीत रुझान छिपा है- 13 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में महिलाओं में तंबाकू उपयोग बढ़ा है। इनमें उत्तर प्रदेश और तेलंगाना जैसे बड़े राज्य शामिल हैं, जहां ग्रामीण क्षेत्रों में यह वृद्धि विशेष रूप से देखी गई है। पुरुषों की बात करें तो तंबाकू सेवन में हल्की गिरावट आई है, जो 38प्रतिशत से घटकर 36.3प्रतिशत हो गया है। इसके बावजूद कुछ राज्यों में यह दर अभी भी बहुत अधिक बनी हुई है, जिससे समस्या की गंभीरता बनी हुई है। रिपोर्ट के अनुसार, देश में पुरुषों के बीच शराब पीने की आदत में भी हल्की बढ़ोतरी हुई है। यह दर 18.7प्रतिशत से बढ़कर 18.9प्रतिशत हो गई है। कई राज्यों जैसे आंध्र प्रदेश, केरल और तेलंगाना में यह वृद्धि अधिक देखी गई है, जो इन क्षेत्रों में शराब की खपत में उल्लेखनीय इजाफा दर्शाती है।

वहीं, महिलाओं में शराब सेवन में राष्ट्रीय स्तर पर मामूली गिरावट आई है, लेकिन यहां भी कुछ राज्यों में इसका उपयोग फिर भी बढ़ रहा है, जो दर्शाता है कि क्षेत्रीय स्तर पर स्थिति राष्ट्रीय औसत से काफी अलग हो सकती है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि केवल राष्ट्रीय औसत देखकर नशे की समस्या की पूरी तस्वीर नहीं समझी जा सकती। उनका मानना है कि कई राज्यों और जिलों में स्थिति काफी गंभीर है और वहां नशे की प्रवृत्ति में तेजी से वृद्धि हो रही है। इसलिए, स्थानीय स्तर पर अलग-अलग, सूक्ष्म और प्रभावी रणनीति की जरूरत है ताकि इन विशिष्ट क्षेत्रों की चुनौतियों का समाधान किया जा सके। उन्हें डर है कि अगर इस पर ध्यान नहीं दिया गया, तो यह प्रवृत्ति बड़े पैमाने पर स्वास्थ्य संकट का रूप ले सकती है। रिपोर्ट में तंबाकू से होने वाले नुकसान पर भी विस्तार से प्रकाश डाला गया है, जिससे पता चलता है कि यह कितनी जानलेवा हो सकती है। तंबाकू से होने वाली मौतों में लगभग 48प्रतिशत मौतें दिल की बीमारियों (जैसे हार्ट डिजीज और स्ट्रोक) की वजह से होती हैं, जो भारत में हृदय रोगों के बढ़ते बोझ को दर्शाता है। इसके अलावा, भारत में मुंह का कैंसर बहुत अधिक आम है और तंबाकू का उपयोग इसका एक प्रमुख कारण है।

रिपोर्ट के अनुसार, तंबाकू से जुड़े कैंसर कुल कैंसर मामलों का लगभग 27-30प्रतिशत हैं, जो कैंसर के खिलाफ लड़ाई में तंबाकू नियंत्रण के महत्व को रेखांकित करता है। सांस की बीमारियां भी तंबाकू सेवन से होने वाली मौतों और बीमारियों की एक बड़ी वजह हैं, जिससे फेफड़ों की गंभीर समस्याएं उत्पन्न होती हैं। एनएफएचएस-6 की यह रिपोर्ट साफ करती है कि भारत में नशे की आदतों में महत्वपूर्ण बदलाव आ रहे हैं। पुरुषों में शराब की आदत बढ़ रही है और महिलाओं में तंबाकू का उपयोग, खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में, बढ़ रहा है। कुछ राज्यों में स्थिति राष्ट्रीय औसत से ज्यादा खराब है, जिससे नीति निर्माताओं को इन क्षेत्रीय विषमताओं पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है।

खुद ही 'बॉस' और खुद ही 'लाभार्थी'

केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री के 'खीरा फार्म' को 14 दिन में 99.60 लाख सब्सिडी

नियमों का पालन या रसूख का खेल? जिस राष्ट्रीय बागवानी बोर्ड के खुद उपाध्यक्ष हैं मंत्री भागीरथ चौधरी, उसी के खजाने से चमका निजी बिजनेस, विपक्ष ने पूछा- आम किसानों के लिए कब चलेगी ऐसी 'बुलेट ट्रेन' फाइल?

स्मार्ट हलचल | डेगाना

देश का आम और सीमांत किसान जब सरकारी योजनाओं या चंद हजार की सब्सिडी के लिए सरकारी दफ्तरों के चक्कर काट-काटकर चप्पलें घिस देता है, तब व्यवस्था की 'सुपरफास्ट' रफ्तार कैसी होती है, इसकी एक बानगी केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी के प्रोजेक्ट में देखने को मिली है। यह प्रोजेक्ट डीडवाना जिले की परबतसर तहसील के गांव पीह में है। अजमेर से भाजपा सांसद और केंद्रीय मंत्री चौधरी को राजस्थान में उनके निजी 'खीरा फार्म' के लिए 99.60 लाख रुपये की भारी-भरकम सब्सिडी मंजूर की गई है।

फाइल की 'बुलेट ट्रेन' रफ्तार- तारीख दर तारीख समझिए खेल

आम आदमी के लिए रेंगने वाली सरकारी फाइलें मंत्रियों के लिए कैसे उड़ने लगती हैं, इसकी क्रोनोलॉजी बेहद दिलचस्प है। 15 अप्रैल 2025मंत्री भागीरथ चौधरी ने सब्सिडी के लिए आवेदन किया। 29 अप्रैल 2025 महज 14 दिनों के भीतर प्रोजेक्ट को सैद्धांतिक मंजूरी मिल गई। 11 मार्च 2026प्रोजेक्ट को अंतिम रूप से स्वीकृत कर दिया गया। 30 मार्च 2026 99.60 लाख की राशि सीधे उनके एचडीएफसी बैंक के लोन खाते में ट्रांसफर कर दी गई।

तीन चुभते सवाल, जिनका जवाब बाकी है-

1. समानता कहाँ है? राजस्थान समेत पूरे देश में लाखों किसानों के आवेदन महीनों और सालों से धूल खा रहे हैं। क्या मंत्रालय आम किसानों की फाइलों को भी 14 दिन में क्लियर करने का कोई 'वीआईपी काउंटर' खोलेगा?
2. नैतिकता का तकाजाः जब आप खुद उस बोर्ड के शीर्ष पद (उपाध्यक्ष) पर काबिज हैं, तो क्या आपको इस सब्सिडी को लेने से पहले पद से इस्तीफा नहीं देना चाहिए था या इसे ठुकराकर मिसाल नहीं पेश करनी चाहिए थी?
3. नो रिप्लाई क्यों? इस गंभीर मुद्दे पर जब मंत्री भागीरथ चौधरी से उनका पक्ष जानने के लिए संपर्क किया, तो उनका फोन 'नो रिप्लाई' आया। मंत्री जी की यह चुप्पी कई तरह के कयासों को जन्म दे रही है।

अधिकारियों की मजबूरी या विशेष प्राथमिकता?-

कागजों पर इस प्रोजेक्ट को 'प्रोजेक्ट अप्रूवल कमेटी' के ब्यूरोक्रेट्स और एक्सपर्ट्स ने पास किया है, जिसमें मंत्री सीधे नहीं बैठते। नियमों के तहत जमीन का मालिक होने के नाते वे भी हकदार हैं। लेकिन सवाल यह है कि क्या विभाग का कोई अधिकारी अपने ही सबसे बड़े अधिकारी (बॉस) की फाइल को रोकने या खारिज करने की हिम्मत कर सकता था? आम किसान की फाइल 14 दिन में क्यों नहीं हिलती?

चौधरी बोले... मैंने कुछ नहीं छिपाया-

मैं किसान हूं। बचपन से ही उन्नत खेती करता आया हूं। मैंने गाइडलाइन का पालन करते हुए ही पॉली लगाया है। हजारों किसान सब्सिडी ले रहे हैं उसी के तहत मैंने ली थी। मैंने बाकायदा बोर्ड लगाकर पूरी जानकारी दी है। विपक्षी के आरोप निराधार है। उनके पास कोई मुद्दा नहीं बचा है।

न खाऊंगा, न खाने दूंगा' के नारे के विपरीत काम-राठौड़

इस खुलासे के बाद राजनीतिक गलियारों में भी सरगर्मी तेज हो गई है। आरटीडीसी के पूर्व अध्यक्ष एवं कांग्रेस नेता धर्मेंद्र राठौड़ ने मामले पर चुटकी लेते हुए कहाः

'प्रधानमंत्री मोदी का नारा है कि 'न खाऊंगा, न खाने दूंगा', लेकिन जमीनी हकीकत इसके बिल्कुल उलट है। आज देश का अन्नदाता संकट में है, फसलों के दाम नहीं मिल रहे। दूसरी तरफ, मोदी सरकार के मंत्री महज 14 दिनों में अपने निजी फार्म के लिए करोड़ों की सब्सिडी डकार रहे हैं। सरकार अपने मंत्रियों की फिक्र छोड़ आम किसानों के लिए भी ऐसी ही त्वरित व्यवस्था बनाए। भाजपा का यह कदम साबित करता है कि वे पूरी तरह किसान विरोधी हैं। '

खुद ही 'बॉस' और खुद ही 'लाभार्थी'-

इस पूरे मामले में तकनीकी से ज्यादा नैतिक सवाल खड़े हो रहे हैं। यह सब्सिडी राष्ट्रीय बागवानी बोर्ड की 'एकीकृत बागवानी विकास मिशन' योजना के तहत जारी हुई है। गौर करने वाली बात यह है कि केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री होने के नाते भागीरथ चौधरी खुद इस बोर्ड के पदेन उपाध्यक्ष हैं। यानी, जिस विभाग की कमान मंत्रीजी के हाथों में है, उसी विभाग के अधिकारियों ने अपने 'बॉस' के निजी बिजनेस को फायदा पहुँचाने वाली फाइल पर हस्ताक्षर किए हैं।

टांकावास सरपंच के समर्थन में उतरे मोडी के ग्रामीण

सोशल मीडिया पर झूठे आरोप लगाने वालों पर कार्रवाई की मांग

स्मार्ट हलचल

सावर(अजमेर)। सावर उपखंड की ग्राम पंचायत टांकावास के सरपंच विजय प्रताप सिंह शक्तावत उर्फ रॉबिन सिंह के खिलाफ सोशल मीडिया पर लगाए जा रहे आरोपों को लेकर ग्राम मोडी के ग्रामीणों में आक्रोश देखने को मिला। ग्रामीणों ने सरपंच के समर्थन में खुलकर सामने आते हुए आरोपों को निराधार और उनकी छवि धूमिल करने का प्रयास बताया।

मामले की जानकारी लेने के लिए मीडियाकर्मी ग्राम मोडी पहुंचे, जहां ग्रामीणों ने बताया कि सरपंच विजय प्रताप सिंह शक्तावत ने अपने पांच वर्ष के कार्यकाल में सभी लोगों के साथ समान व्यवहार करते हुए निष्पक्ष रूप से कार्य किया है। ग्रामीणों का कहना है कि पट्टा बनाने, पंचायत से प्रमाण पत्र जारी करने अथवा अन्य किसी भी पंचायत संबंधी कार्य के लिए सरपंच ने कभी किसी से अवैध राशि की मांग नहीं की तथा विकास कार्यों में भी भ्रष्टाचार नहीं किया।

ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि पंचायत क्षेत्र में अतिक्रमण के खिलाफ की गई कार्रवाई से नाराज कुछ लोग सोशल मीडिया के माध्यम से सरपंच की छवि खराब करने का प्रयास कर रहे हैं। उनका कहना है कि आबादी विस्तार भूमि पर किए गए अतिक्रमण को बचाने के उद्देश्य से इस प्रकार के आरोप लगाए जा रहे हैं।

ग्रामीणों ने यह भी दावा किया कि आरोप लगाने वाले व्यक्तियों में से एक पूर्व में एक अन्य मामले में जेल जा चुका है। हालांकि, इस दावे की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है।

मोडी के ग्रामीणों ने क्षेत्रीय विधायक शत्रुघ्न गौतम तथा सावर उपखंड अधिकारी से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी पाए जाने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है।

नामांतरण के लिए घूसखोर पटवारी ट्रैप, 1000 लेते दबोचा, 5 हजार पहले ही डकार चुका था

करेड़ा में एसीबी का बड़ा एक्शन, पटवारी लोकेश जोशी रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

10 हजार मांगे, 8 हजार में सौदा तय, फौतगी नामांतरण के बदले पटवारी की रिश्वतखोरी उजागर

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। सरकारी दफ्तरों में भ्रष्टाचार पर लगाम कसने के लिए भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) लगातार सक्रिय है। शनिवार को एसीबी की भीलवाड़ा प्रथम इकाई ने एक और बड़ी कार्रवाई करते हुए करेड़ा तहसील के पटवार हल्का चिलेश्वर में कार्यरत पटवारी लोकेश जोशी को 1000 रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। इस कार्रवाई से राजस्व विभाग में हड़कंप मच गया और सरकारी महकमों में रिश्वतखोरी पर फिर सवाल खड़े हो गए।

जानकारी के अनुसार, परिवादी के पिता के निधन के बाद कृषि भूमि का फौतगी नामांतरण खोलने की प्रक्रिया चल रही थी। आरोप है कि इस कार्य को पूरा करने के बदले आरोपी पटवारी लोकेश जोशी ने रिश्वत की मांग की। शुरुआत में उसने 10 हजार रुपए मांगे, लेकिन बाद में सौदा 8 हजार रुपए में तय हुआ। परिवादी ने बताया कि आरोपी पटवारी पहले ही 5 हजार रुपए ले चुका था और बाकी राशि के लिए लगातार दबाव बना रहा था।

रिश्वत की मांग से परेशान होकर परिवादी ने भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत मिलने के बाद एसीबी ने पूरे मामले का सत्यापन किया। जांच में शिकायत सही पाए जाने पर टीम ने योजनाबद्ध तरीके से ट्रैप कार्रवाई की तैयारी की।

एसीबी मुख्यालय जयपुर के निर्देश और एसीबी अजमेर रेंज के उप महानिरीक्षक नारायण टोगस के सुपरवीजन में कार्रवाई को अंतिम रूप दिया गया। भीलवाड़ा के उप अधीक्षक पारसमल के नेतृत्व में टीम ने जाल बिछाया और आरोपी पर नजर रखी।

शनिवार को आरोपी पटवारी ने परिवादी से 1000 रुपए रिश्वत ली और शेष राशि बाद में लेने की बात कही। जैसे ही रिश्वत की रकम उसके हाथों में पहुंची, पहले से तैनात एसीबी टीम ने तुरंत दबिश देकर उसे रंगे हाथों पकड़ लिया। तलाशी के दौरान रिश्वत की रकम आरोपी की लोअर की जेब से बरामद हुई।

एसीबी अधिकारियों ने आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया है। फिलहाल आरोपी से पूछताछ जारी है ।

उल्लेखनीय है कि यह कार्रवाई केवल एक गिरफ्तारी नहीं, बल्कि आमजन के लिए एक बड़ा संदेश है कि यदि कोई सरकारी कर्मचारी काम के बदले रिश्वत मांगता है, तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई संभव है। एसीबी ने नागरिकों से अपील की है कि भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाएं और किसी भी प्रकार की रिश्वत मांगने की सूचना तुरंत हेल्पलाइन नंबर 1064 या व्हाट्सएप नंबर 94135028 34 पर दें।

बनास बजरी विवाद की आग गांव तक पहुंचीः संदेह में युवक पर जानलेवा हमला-मारपीट के बीच फायरिंग से फैली दहशत

रॉयल्टी ठेकेदार से विवाद के बाद गलतफहमी में हमला करने का आरोप-ग्रामीणों ने बचाई जान; दो दर्जन से अधिक लोगों के खिलाफ मामला दर्ज

स्मार्ट हलचल

टोंक/उनियारा। उनियारा सर्किल के बनेठा थाना क्षेत्र में बनास नदी के बजरी कारोबार को लेकर शुरू हुआ विवाद अब गांव तक पहुंच गया है। क्षेत्र में मारपीट, कथित फायरिंग और जानलेवा हमले की घटनाओं से भय के साथ तनाव का माहौल बताया जा रहा है। पुलिस पूरे घटनाक्रम की जांच में जुटी है, जबकि दूसरे पक्ष का बयान अभी सामने आना बाकी है।

संदेह के आधार पर युवक पर हमला-ग्रामीणों ने छुड़ाया

पीड़ित युवक फोटूलाल मीणा से प्राप्त जानकारी के अनुसार, शुक्रवार मध्य रात्रि 1 से 2 बजे के बीच सुरेली तट स्थित बनास नदी क्षेत्र में रॉयल्टी ठेकेदार से जुड़े कुछ लोगों तथा मीणा की झोपड़ियां गांव के कुछ व्यक्तियों के बीच बजरी कारोबार को लेकर विवाद और मारपीट हुई थी और कथित रूप से फायरिंग होने की जानकारी भी बताई जा रही हैं, फायरिंग किसने की पुलिस जानकारी अनुसार अभी तक इस बात की आधिकारिक पुष्टि नहीं हो पाई है। इसके बाद शनिवार दोपहर करीब दो बजे गांव में बसराम मीणा की दुकान पर चाय पी रहे फोटूलाल मीणा पर कथित रूप से गांव के ही अशोक मीणा सहित करीब दो दर्जन लोगों ने लाठियों, सरियों, कुल्हाड़ियों एवं अन्य धारदार हथियारों से हमला कर दिया। जिससे उसके शरीर व पैर में चोट बताई जा रही हैं। पीड़ित पक्ष का आरोप है कि हमलावरों ने फोटूलाल मीणा को जान से मारने की नीयत से घेर लिया। होटल पर मौजूद लोगों तथा शोर सुनकर पहुंचे ग्रामीणों ने बीच-बचाव कर उन्हें हमलावरों के चंगुल से छुड़ाया, जिससे उनकी जान बच सकी।

'हमले का कारण केवल संदेह'

पीड़ित पक्ष व ग्रामीणों की जानकारी अनुसार, हमलावरों को संदेह था कि शुक्रवार रात रॉयल्टी ठेकेदार से जुड़े लोगों पर हुआ हमला फोटूलाल मीणा ने करवाया था। इसी शक के आधार पर उनके साथ मारपीट कर जान से मारने का प्रयास किया गया। वहीं फोटूलाल मीणा का कहना है कि उनका इस पूरे घटनाक्रम से दूर-दूर तक कोई संबंध नहीं है और उन्हें बेवजह निशाना बनाया गया।

पत्नी ने आरोपियों के खिलाफ दर्ज कराई नामजद रिपोर्ट

घटना के बाद पीड़ित फोटूलाल मीणा की पत्नी धोली देवी ने बनेठा थाने में अशोक मीणा, रामधन, अमित, विकास मीणा सहित करीब दो दर्जन लोगों के विरुद्ध नामजद रिपोर्ट दर्ज कराई है। रिपोर्ट में आरोप लगाया गया है कि बजरी विवाद के बाद संदेह के आधार पर उनके पति पर जानलेवा हमला किया गया।

'ग्रामीण नहीं आते तो हो सकती थी बड़ी वारदात'

पीड़ित परिवार का कहना है कि यदि समय रहते ग्रामीण मौके पर नहीं पहुंचते तो कोई बड़ी अनहोनी हो सकती थी।परिवार ने यह भी आरोप लगाया कि आरोपियों के विरुद्ध तत्काल प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई तथा उन्हें पुलिस संरक्षण मिलने की आशंका है। हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है।

आरोपियों के आपराधिक रिकॉर्ड का भी दावा

पीड़ित पक्ष ने आरोप लगाया है कि नामजद हमलावर आरोपियों में से कई आपराधिक प्रवृत्ति के हैं और उनके विरुद्ध पूर्व में भी विभिन्न मामले दर्ज हैं, हालांकि इस दावे की भी स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है।

पुलिस बोली—जांच के बाद होगी वैधानिक कार्रवाई

इस सम्बन्ध में जब थानाधिकारी बनेठा भागीरथ सिंह से मामले की जानकारी के लिए हमारे संवाददाता द्वारा फोन किया गया तो उन्होंने कोई फोन कॉल अटेंड नहीं किया। बाद में बनेठा थाने के ड्यूटी ऑफिसर हेड कांस्टेबल रतिराम गुर्जर ने बताया कि पीड़ित पक्ष फ़ोटूलाल मीणा की ओर से उनकी पत्नी द्वारा रिपोर्ट प्राप्त हो चुकी है। उन्होंने बताया कि शुक्रवार रात बनास नदी क्षेत्र, जो आंशिक रूप से चौथ का बरवाड़ा थाना क्षेत्र से भी संबंधित है, वहां बजरी कारोबार से जुड़े लोगों के बीच कथित फायरिंग की सूचना मिली है, जिसकी जांच थाना बनेठा व चौथ का बरवाड़ा पुलिस द्वारा की जा रही है। उन्होंने कहा कि प्राप्त रिपोर्ट के आधार पर फोटूलाल मीणा पर हमले के आरोपियों के विरुद्ध आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। साथ ही शांति भंग की आशंका को देखते हुए भी कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

दूसरे पक्ष का पक्ष आना शेष

फिलहाल पूरे मामले की जांच जारी है। घटना के संबंध में दूसरे पक्ष का बयान अभी सामने नहीं आया है। पुलिस का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही पूरे घटनाक्रम की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

लूटपाट भी और मरहम-पट्टी भीः अमरतिया में बुजुर्ग दंपती को बंधक बनाकर लूटा, सिर फोड़ने के बाद बदमाशों ने खुद दी दर्द की दवा

सोपुरा मार्ग पर खेत पर बने मकान में देर रात अज्ञात बदमाशों ने बोला धावा; लाठियों से हमला कर किसान को किया लहूलुहान

फिर खुद पानी पिलाकर सिर पर बांधी पट्टी; कुंडल, पायजेब और रामनामी लेकर हुए फरार

स्मार्ट हलचल

लाडपुरा। मांडलगढ़ विधानसभा क्षेत्र के लाडपुरा चौकी अंतर्गत अमरतिया गांव में गुरुवार की रात अज्ञात बदमाशों ने एक दुस्साहसिक और बेहद अजीबोगरीब लूट की वारदात को अंजाम दिया। सोपुरा मार्ग स्थित खेत पर बने मकान में घुसे नकाबपोश बदमाशों ने एक बुजुर्ग किसान दंपती को बंधक बनाकर सोने-चांदी के आभूषण लूट लिए। वारदात के दौरान जब किसान ने विरोध किया, तो बदमाशों ने लकड़ी से वार कर उनका सिर फोड़ दिया। लेकिन इसके बाद जो कुछ हुआ, उसने पुलिस और ग्रामीणों दोनों को हैरत में डाल दिया। हमला करने के बाद बदमाशों ने खुद ही तड़पते हुए घायल बुजुर्ग को पानी पिलाया, दर्द मिटाने की गोली दी और सिर से बहते खून को रोकने के लिए बाकायदा मरहम-पट्टी भी की।

आहट होने पर जागे शर्मा, बदमाशों ने लाठी से किया हमला:

जानकारी के अनुसार, अमरतिया गांव के सोपुरा मार्ग स्थित खेत पर बने मकान में किसान शांतिलाल शर्मा अपनी पत्नी के साथ रहते हैं। गुरुवार देर रात अज्ञात बदमाशों का एक झुंड दीवार फांदकर मकान के भीतर दाखिल हो गया। घर में कुछ आहट होने पर जब शांतिलाल शर्मा की नींद खुली और उन्होंने शोर मचाने का प्रयास किया, तो बदमाशों ने उन पर लकड़ी से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। इस हमले में शर्मा के सिर पर गहरी चोट आई और वे लहूलुहान हो गए। बदमाशों ने तुरंत उनका मोबाइल फोन छीन लिया, ताकि वे पुलिस या ग्रामीणों को सूचना न दे सकें।

गहने और नकदी लूटी, दो बदमाश दंपती को दबोचे रहे:

वारदात के दौरान दो बदमाशों ने घायल शर्मा और उनकी पत्नी को हथियारों के दम पर एक जगह बंधक बनाकर बैठाए रखा, जबकि गैंग के अन्य सदस्यों ने घर के दोनों कमरों की अलमारियों और बक्सों को खंगालना शुरू कर दिया। बदमाशों ने शर्मा की पत्नी के कानों के सोने के टॉप्स (कुंडल), पैरों की चांदी की पायजेब और गले में पहनी हुई सोने की 'रामनामी' (पारंपरिक आभूषण) जबरन उतरवा ली। इसके साथ ही बदमाशों ने शर्मा की जेब की तलाशी लेकर उसमें रखे महज 200 रुपए की नकदी भी समेट ली। जाते समय बदमाशों ने लूटा हुआ मोबाइल कुछ दूरी पर खेत में ही फेंक दिया।

इलाके में दहशत, 19 जून को श्यामगढ़ में भी हुई थी ऐसी ही वारदात:

बुजुर्ग दंपती पर हमला और लूट की इस वारदात से पूरे क्षेत्र के ग्रामीण गहरे खौफ और आक्रोश में हैं। ग्रामीणों ने बताया कि इससे पहले गत 19 जून को पास ही के श्यामगढ़ गांव में भी बदमाशों ने इसी तरह मारपीट कर सोने की रामनामी लूटने की वारदात को अंजाम दिया था। लगातार हो रही इन वारदातों से साफ है कि क्षेत्र में कोई शातिर गैंग सक्रिय है। घटना की सूचना मिलते ही मांडलगढ़ थाना से एएसआई रामलाल एवं लाडपुरा चौकी पुलिस जाब्ते के साथ मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का बारीकी से मुआयना कर आसपास के संदिग्ध ठिकानों और पूर्व के अपराधियों के रिकॉर्ड खंगालने शुरू कर दिए हैं। ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन से आरोपियों को अविलंब गिरफ्तार करने की मांग की है।

इनका कहना है

मांडलगढ़ थाने के पुलिसकर्मी दिलीप सिंह ने बताया कि बदमाशों ने दंपति को बंधक बनाकर लूटपाट की घटना को अंजाम दिया। मुकदमा दर्ज कर अनुसंधान किया जा रहा है।

भाविप द्वारा डॉ. सूरज प्रकाश जयंती पर सेवा पखवाड़े का आगाज

स्मार्ट हलचल

शाहपुरा। भारत विकास परिषद की शाखा शाहपुरा द्वारा परिषद के संस्थापक डॉ. सूरज प्रकाश की जयंती शनिवार को श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाई गई। इसी अवसर पर सेवा पखवाड़े का शुभारंभ करते हुए नशा मुक्ति को समर्पित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए।

नई मुस्कान सेवा संस्थान नशा मुक्ति एवं पुनर्वास केंद्र में आयोजित संगोष्ठी में नशा मुक्त समाज के निर्माण और नशे से होने वाले दुष्प्रभावों पर विस्तार से चर्चा हुई। कार्यक्रम में परिषद अध्यक्ष पवन बांगड़, संचिना कला संस्थान अध्यक्ष रामप्रसाद पारीक, मॉडल स्कूल प्रधानाचार्य ईश्वर मीणा, कादीसहना प्रधानाचार्य धारासिंह मीणा, अधिवक्ता कमलेश मुंडेतिया, थानमल परिहार तथा जयदेव जोशी सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। पुनर्वास केंद्र संचालक पहाड़िया ने सभी का स्वागत करते हुए केंद्र के कार्यों का विवरण पेश किया।

वक्ताओं ने युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि नशा जीवन और परिवार दोनों को बर्बाद करता है। उन्होंने उपस्थित युवाओं से नशा छोड़कर समाज की मुख्यधारा से जुड़ने और सामाजिक सेवा का संकल्प लेने की अपील की।

इस बीच रामनिवास धाम में नशा मुक्त समाज निर्माण हेतु हस्ताक्षर अभियान का शुभारंभ किया गया। कार्यवाहक भंडारी संत नवनिधराम महाराज ने प्रथम हस्ताक्षर कर अभियान की शुरुआत की।

अतिक्रमण की गिरफ्त में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, मरीजों और एम्बुलेंस की राह बनी मुश्किल

ज्ञापनों और शिकायतों के बावजूद कार्रवाई नहीं, ग्रामीणों ने दी आंदोलन की चेतावनी

स्मार्ट हलचल

फूलियाकलां / उपखंड क्षेत्र का सबसे बड़ा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र इन दिनों अतिक्रमण की गंभीर समस्या से जूझ रहा है। अस्पताल के मुख्य प्रवेश द्वार और आसपास के क्षेत्र में होटल, केबिन तथा अस्थायी थड़ियों के कारण मरीजों, परिजनों और आपातकालीन सेवाओं को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। स्थिति यह है कि कई बार एम्बुलेंस और अन्य आपातकालीन वाहनों की आवाजाही तक प्रभावित हो जाती है।

करीब 30 किलोमीटर के दायरे में स्थित यह प्रमुख चिकित्सालय आसपास के दर्जनों गांवों के लोगों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं का मुख्य केंद्र है। प्रतिदिन बड़ी संख्या में मरीज उपचार के लिए यहां पहुंचते हैं, लेकिन अस्पताल के बाहर फैले अतिक्रमण के कारण उन्हें असुविधा और जाम जैसी समस्याओं से दो-चार होना पड़ता है। अस्पताल के सामने से गुजरने वाले केकड़ी-जयपुर मुख्य मार्ग और समीप स्थित व्यस्त चौराहे पर दिनभर भारी यातायात रहने से हालात और अधिक गंभीर हो गए हैं।

ग्रामीणों का आरोप है कि अस्पताल परिसर के आसपास बढ़ते अतिक्रमण को लेकर कई बार प्रशासन और संबंधित विभागों को ज्ञापन सौंपे गए, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। लोगों का कहना है कि बार-बार शिकायतों के बावजूद जिम्मेदार अधिकारी समस्या के समाधान को लेकर गंभीर नजर नहीं आ रहे हैं।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र प्रभारी डॉ. सत्यनारायण शर्मा ने भी स्वीकार किया कि मुख्य द्वार पर हुए अतिक्रमण से चिकित्सा सेवाएं प्रभावित हो रही हैं। उन्होंने बताया कि इस संबंध में स्थानीय प्रशासन एवं जिला स्तर के अधिकारियों को कई बार पत्र लिखकर अतिक्रमण हटाने की मांग की जा चुकी है, लेकिन अभी तक प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई है।

वहीं राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (आरएलपी) के विधानसभा अध्यक्ष मुकेश जाट ने प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा कि पूर्व में दिए गए ज्ञापन के अनुसार यदि सात दिनों के भीतर अतिक्रमण नहीं हटाया गया तो ग्रामीणों के साथ धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मरीजों और आमजन की सुविधा को देखते हुए प्रशासन को तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए।

अस्पताल जैसे संवेदनशील संस्थान के मुख्य द्वार पर लंबे समय से बने अतिक्रमण और प्रशासनिक उदासीनता को लेकर क्षेत्र में व्यापक चर्चा है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते अतिक्रमण नहीं हटाया गया तो किसी भी दिन आपातकालीन स्थिति में बड़ा हादसा हो सकता है। उन्होंने प्रशासन से जनहित में शीघ्र कार्रवाई कर अस्पताल परिसर को अतिक्रमण मुक्त बनाने की मांग की है।

लाडपुरा व श्यामगढ़ में ग्रामीण सेवा शिविर 29 जून को ग्राम पंचायत में होगा आयोजन

स्मार्ट हलचल

लाडपुरा। ग्राम पंचायत लाडपुरा व श्यामगढ़ में सोमवार 29 जून को 'ग्रामीण सेवा शिविर' के आयोजन होगा। अभियान में, मौके पर ही समस्या समाधान के लिए, राज्य सरकार ने कई अधिकारियों की शक्तियों को, शिविर प्रभारियों व अन्य अधिकारियों को,'ग्रामीण सेवा शिविर-2026' के लिए, शिविर प्रभारी बनाए गए, जिसमें मांडलगढ़ उपखण्ड विकास अधिकारी प्रभू लाल धाकड़ के शिविर प्रभारी बनाया गया। लाडपुरा स्थानीय ग्राम पंचायत में सोमवार को ग्रामीण सेवा शिविर का आयोजन किया जाएगा। जिला कलक्टर के आदेश के अनुसार ग्रामीण सेवा शिविर का आयोजन ग्राम पंचायत लाडपुरा का ग्रामीण सेवा शिविर का आयोजन प्रातः 10 से सांय 5 बजे तक सामुदायिक भवन परिसर रखा गया है। जिसमें सभी राज्य सरकार के समस्त विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहकर ग्रामवासियों की समस्याओं का निराकरण कर राजकीय योजनाओं में जोड़कर लाभ दिलाने का कार्य करेंगे। ग्राम पंचायत प्रशासक प्रकाश कंवर एवं ग्राम विकास अधिकारी रतिराम मीणा ने समस्त ग्रामवासियों से ग्रामीण सेवा शिविर में भाग लेने का आह्वान किया। जिसमें सभी ग्राम वासी अधिक से अधिक संख्या में पधारकर इस ग्रामीण सेवा शिविर का लाभ उठावें।

15 वर्ष की उम्र, लेकिन प्रवचन में वर्षों की साधना का आभास; राम और कृष्ण जन्म प्रसंग पर भक्तिरस में डूबा कथा पंडाल

स्मार्ट हलचल

जहाजपुर (खजूरी)। जिस उम्र में अधिकांश बच्चे स्कूल, खेल और मोबाइल की दुनिया में व्यस्त रहते हैं, उस उम्र में 15 वर्षीय बालव्यास राधे कृष्ण महाराज (कोटड़ी) अपनी ओजस्वी वाणी, शास्त्रों के गहन अध्ययन और प्रभावशाली प्रवचन शैली से श्रद्धालुओं को धर्म और भक्ति का संदेश दे रहे हैं। शिवाजी कॉलोनी, खजूरी में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा के चौथे दिवस उनके मुखारविंद से भगवान श्रीराम जन्म और श्रीकृष्ण जन्म के प्रसंगों का ऐसा भावपूर्ण वर्णन हुआ कि पूरा कथा पंडाल भक्तिरस में सराबोर हो गया।

कथा के दौरान बालव्यास ने कहा कि भगवान के अवतार केवल चमत्कार दिखाने के लिए नहीं, बल्कि मानव समाज को धर्म, सत्य, मर्यादा और प्रेम का मार्ग दिखाने के लिए होते हैं। भगवान श्रीराम का जीवन त्याग, आदर्श और कर्तव्य पालन की प्रेरणा देता है, जबकि भगवान श्रीकृष्ण का अवतार अन्याय और अधर्म के अंत तथा धर्म की पुनर्स्थापना का प्रतीक है। उन्होंने श्रद्धालुओं से जीवन में संस्कार, सेवा और भक्ति को अपनाने का आह्वान किया।

श्रीराम जन्म प्रसंग के वर्णन के समय पूरा पंडाल 'जय श्रीराम' के उद्घोष से गूंज उठा। वहीं जैसे ही श्रीकृष्ण जन्म का प्रसंग आया, ढोल-नगाड़ों और भजनों की मधुर धुन पर श्रद्धालु झूम उठे। 'नंद के आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की' के जयघोष के बीच भगवान का जन्मोत्सव बड़े उत्साह से मनाया गया। महिलाओं ने मंगलगीत गाए, श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा की और पूरे परिसर में भक्तिमय वातावरण छा गया।

कथा में सबसे अधिक आकर्षण का केंद्र रहे बालव्यास राधे कृष्ण महाराज। उनकी स्पष्ट वाणी, सहज भाषा, शास्त्रों के प्रमाणों के साथ प्रसंगों की व्याख्या और जीवन से जुड़े उदाहरणों ने श्रद्धालुओं को अंत तक कथा से बांधे रखा। कम उम्र में इतना आत्मविश्वास, आध्यात्मिक अध्ययन और प्रभावशाली वक्तृत्व देखकर श्रद्धालु उनकी सराहना करते नजर आए। कई श्रद्धालुओं ने कहा कि इतनी छोटी उम्र में इस प्रकार का ज्ञान और प्रस्तुति दुर्लभ है।

कथा के दौरान भजनों और संकीर्तन ने माहौल को और अधिक भक्तिमय बना दिया। श्रद्धालु पूरे समय भावविभोर होकर कथा का रसपान करते रहे। दूर-दराज के गांवों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु कथा सुनने पहुंच रहे हैं। आयोजक पंडित रामगोपाल भट्ट ने बताया कि सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन 30 जून तक प्रतिदिन जारी रहेगा।

सेट-2026 की नई तारीख घोषित: अब 13 सितंबर को परीक्षा, 37 विषयों में होगा आयोजन

सेट-2026: अभ्यर्थियों के लिए बड़ी खबर, परीक्षा 13 सितंबर को, दो नए विषयों का समावेश

स्मार्ट हलचल| कोटा

राजस्थान सरकार के उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार राजस्थान राज्य पात्रता परीक्षा (सेट-2026) के आयोजन की जिम्मेदारी इस वर्ष कोटा विश्वविद्यालय को सौंपी गई है। कुलगुरु प्रो. बी.पी. सारस्वत के मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय प्रशासन ने परीक्षा में महत्वपूर्ण बदलाव यह है,सीटेट परीक्षा को दृष्टिगत रखते हुए सेट-2026 अब पूर्व निर्धारित 6 सितंबर के स्थान पर 13 सितंबर 2026 को आयोजित की जाएगी।

दो नए विषय शामिल

इस वर्ष राजस्थान राज्य पात्रता परीक्षा में जनसंचार एवं पत्रकारिता तथा संस्कृत (पारंपरिक) विषयों को पहली बार शामिल किया गया है। इसके साथ ही कोटा विश्वविद्यालय अब कुल 37 विषयों में परीक्षा आयोजित करेगा।

कुलगुरु प्रो. बी.पी. सारस्वत ने बताया कि यह निर्णय यूजीसी-नेट के विषयों के अनुरूप लिया गया है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय को इन दोनों विषयों को शामिल किए जाने के लिए अनेक आवेदन एवं मांग-पत्र प्राप्त हो रहे थे। विद्यार्थियों के हितों को ध्यान में रखते हुए इन विषयों को जोड़ा गया है, जिससे प्रदेशभर के अभ्यर्थियों को अधिक विषयों में पात्रता परीक्षा देने का अवसर मिलेगा और उच्च शिक्षा के क्षेत्र में उनके लिए नए अवसर उपलब्ध होंगे।

आवेदन शुल्क और प्रक्रिया

परीक्षा के लिए आवेदन पूरी तरह ऑनलाइन माध्यम से लिए जाएंगे। जिसमें किसी प्रकार का परिवर्तन नहीं है। अभ्यर्थी कोटा विश्वविद्यालय की वेबसाइट तथा एसएसओ पोर्टल के माध्यम से आवेदन कर सकेंगे। आवेदन शुल्क सामान्य एवं ओबीसी क्रीमीलेयर वर्ग के लिए 1500 रुपये, ओबीसी नॉन-क्रीमीलेयर एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के लिए 1200 रुपये तथा अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं दिव्यांग वर्ग के लिए 750 रुपये निर्धारित किया गया है।

परीक्षा पद्धति

सेट-2026 का आयोजन यूजीसी-नेट के नवीनतम मानकों के अनुरूप ऑफलाइन (ओएमआर आधारित) पद्धति से किया जाएगा। परीक्षा में दो प्रश्नपत्र होंगे, जिनमें कुल 150 बहुविकल्पीय प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रथम प्रश्नपत्र में शिक्षण एवं शोध अभिक्षमता, तार्किक क्षमता तथा सामान्य बौद्धिक दक्षता से संबंधित 50 प्रश्न होंगे, जबकि द्वितीय प्रश्नपत्र में अभ्यर्थी द्वारा चयनित विषय से संबंधित 100 प्रश्न शामिल होंगे। दोनों प्रश्नपत्रों के लिए कुल 300 अंक निर्धारित किए गए हैं तथा परीक्षा अवधि तीन घंटे होगी। परीक्षा में किसी प्रकार का नकारात्मक अंकन नहीं किया जाएगा और प्रत्येक सही उत्तर के लिए दो अंक प्रदान किए जाएंगे।

सोशल मीडिया पर हुई दोस्ती, मिलने पहुंचे युवक की परिजनों व ग्रामीणों ने की पिटाई

स्मार्ट हलचल|खखरेरू/ फतेहपुर

थाना क्षेत्र के रक्षपालपुर चौराहे पर शनिवार दोपहर सोशल मीडिया के माध्यम से हुई दोस्ती के बाद एक युवती से मिलने पहुंचे युवक की युवती के परिजनों एवं कुछ ग्रामीणों ने कथित रूप से जमकर पिटाई कर दी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और युवक तथा युवती को थाने ले गई।

जानकारी के अनुसार गाजीपुर थाना क्षेत्र के शाह मजरे जैदपुर निवासी उमेश कुमार पुत्र रामचंद्र यूट्यूब पर वीडियो बनाने का कार्य करता है। बताया जा रहा है कि सोशल मीडिया के माध्यम से उसकी खखरेरू थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली युवती से दोस्ती हुई थी। इसी सिलसिले में युवक शनिवार को रक्षपालपुर चौराहे पर युवती से मिलने पहुंचा था।

बताया जाता है कि दोपहर करीब दो बजे युवती भी घर से निकलकर चौराहे पर पहुंच गई। उधर, युवती के अचानक घर से गायब होने पर परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। खोजबीन के दौरान परिजन रक्षपालपुर चौराहे पहुंचे, जहां युवती को युवक के साथ देखकर उनका गुस्सा फूट पड़ा। आरोप है कि परिजनों ने कुछ ग्रामीणों के साथ मिलकर युवक की पिटाई कर दी, जिससे वह घायल हो गया।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने किसी तरह युवक को भीड़ से छुड़ाया और युवक व युवती दोनों को थाने ले जाकर पूछताछ शुरू कर दी। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

युवक के साथ मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया में तेजी से वायरल हो रहा है।

प्रभारी निरीक्षक सतपाल सिंह ने बताया कि युवक और युवती के परिजनो से संपर्क करके बुलाया गया है आने के बाद आगे की अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

01 किलो 323 ग्राम अवैध अफीम जब्त, एक गिरफ्तार

स्मार्ट हलचल

भवानी मंडी। पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई करते हुए एक युवक को 1 किलो 323 ग्राम अवैध मादक पदार्थ अफीम सहित गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की।

जिला पुलिस अधीक्षक अमित कुमार ने बताया कि अवैध मादक पदार्थ तस्करों के विरुद्ध जिला स्तर पर विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अभियान में अधिक से अधिक प्रभावी कार्यवाही करने हेतु जिले के सभी थानाधिकारियों को थाना स्तर पर टीम गठित कर अपराधियों की धरपकड़ हेतु निर्देशित किया गया था जिसके अन्तर्गत पुलिस थाना भवानीमंडी टीम द्वारा अवैध मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ कार्यवाही करते हुए आरोपी अशोक कुमार को गिरफ्तार कर आरोपी के कब्जे से 01 किलो 323 ग्राम अवैध मादक पदार्थ अफीम जप्त करने में सफलता प्राप्त की है।

घटना विवरणः- आज दिनांक 27 जून को प्रमोद कुमार पु.नि. थानाधिकारी पुलिस थाना भवानीमंडी मय जाप्ता द्वारा अवैध कार्यों की चैकिंग व रोकथाम हेतु दौरान गश्त कस्बा भवानीमंडी में पीली कोठी से एक व्यक्ति को डिटेन कर डिटेनशुदा व्यक्ति अशोक कुमार की तलाशी लेने पर उसके कब्जे से 01 किलो 323 ग्राम अवैध मादक पदार्थ अफीम जप्त कर अशोक कुमार को गिरफ्तार किया गया।

कार्यवाही पुलिसः- जिला पुलिस अधीक्षक अमित कुमार. व भागचन्द मीणा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक झालावाड़ के निर्देशन एवं सत्यनारायण गोदारा वृत्ताधिकारी वृत्त भवानीमंडी के निकटतम सुपरविजन में प्रमोद कुमार पु.नि. थानाधिकारी पुलिस थाना भवानीमंडी के नेतृत्व में थाना हाजा पर विशेष टीम का गठन किया गया। गठित टीम द्वारा आज दिनांक 27 जून को कस्बा भवानीमंडी में पीली कोठी से एक व्यक्ति को डिटेन कर डिटेनशुदा व्यक्ति अशोक कुमार की तलाशी लेने पर उसके कब्जे से 01 किलो 323 ग्राम अवैध मादक पदार्थ अफीम जप्त कर उक्त अशोक कुमार के खिलाफ एन.डी.पी.एस.एक्ट की धाराओं में प्रकरण दर्ज किया गया।

आरोपी अशोक कुमार अवैध मादक पदार्थ अफीम कहां से लाया व किसको देने जा रहा के बारे में अनुसंधान जारी है।

नाम पता गिरफ्तार शुदाः-

अशोक कुमार पुत्र भगवान नाथ जाति नाथ उम्र-22 साल निवासी बाबाजी का सैर, सामरिया पुलिस थाना सुनेल जिला-झालावाड़ (राज.)

25 दिनों से दूषित पेयजल आपूर्ति से आजाद नगर व संजय कॉलोनी के लोग परेशान, आंदोलन की चेतावनी

स्मार्ट हलचल/ भीलवाड़ा

शहर के आजाद नगर एवं संजय कॉलोनी क्षेत्र में पिछले करीब 25 दिनों से दूषित एवं अनियमित पेयजल आपूर्ति को लेकर स्थानीय लोगों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। प्रभावित नागरिकों ने जलदाय विभाग पर समय पर समस्या का समाधान नहीं करने का आरोप लगाया है। वहीं, राजस्थान जन मंच ने शीघ्र समाधान नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी दी है।

स्थानीय नागरिकों के अनुसार, आजाद नगर स्थित महाप्रज्ञ सर्कल के आसपास की तीन गलियों में पिछले कई दिनों से नलों में बदबूदार एवं गंदा पानी आ रहा है। लोगों का कहना है कि इस संबंध में कई बार जलदाय विभाग के अधिकारियों को शिकायत दी गई, लेकिन अब तक समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सका। क्षेत्रवासियों ने दूषित पेयजल से स्वास्थ्य संबंधी खतरे की आशंका भी जताई है।

इधर, संजय कॉलोनी के देवरिया रोड क्षेत्र में भी नियमित मीठे पानी की आपूर्ति प्रभावित होने का आरोप लगाया गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि मजबूरी में उन्हें निजी टैंकरों से पानी खरीदना पड़ रहा है या फिर खारे पानी का उपयोग करना पड़ रहा है।

राजस्थान जन मंच के अध्यक्ष कैलाश सोनी ने बताया कि शिकायत मिलने पर संगठन के जिला उपाध्यक्ष जय नारायण जोशी ने प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण किया। इसके बाद जलदाय विभाग के अधिकारियों से वार्ता कर समस्या के शीघ्र समाधान की मांग की गई।

जन मंच का कहना है कि विभागीय अधिकारियों ने दो दिनों के भीतर तकनीकी समस्या दूर कर नियमित एवं स्वच्छ पेयजल आपूर्ति बहाल करने का आश्वासन दिया है। संगठन ने चेतावनी दी है कि यदि निर्धारित समय में समस्या का समाधान नहीं हुआ तो आमजन के साथ जलदाय विभाग कार्यालय का घेराव एवं लोकतांत्रिक आंदोलन किया जाएगा।

50 वर्षों से लंबित नाथद्वारा-टोड़ा राय सिंह रेलवे लाइन को लेकर फिर जगी उम्मीद, सांसद ने रेल मंत्री को लिखा पत्र

स्मार्ट हलचल| गंगापुर

पिछले लगभग 50 वर्षों से लंबित नाथद्वारा-टोडारायसिंह (कोठियारा-बनेड़िया-रेलमगरा-गंगापुर-) नई रेलवे लाइन की मांग एक बार फिर चर्चा में है। इस रेल परियोजना के लिए पूर्व में दो बार सर्वे भी किए जा चुके हैं, लेकिन इसके बावजूद आज तक परियोजना को स्वीकृति नहीं मिल सकी है और न ही कोई ठोस प्रगति हुई है।

हाल ही में राजसमंद सांसद महिमा कुमारी मेवाड़ ने 20 जून 26 को केंद्रीय रेल मंत्री को पत्र लिखकर इस बहुप्रतीक्षित रेलवे लाइन को शीघ्र स्वीकृति प्रदान करने का आग्रह किया है। सांसद ने अपने पत्र में उल्लेख किया है कि इस रेल लाइन के निर्माण से क्षेत्र की रेल कनेक्टिविटी मजबूत होगी, पर्यटन, व्यापार, कृषि, खनन तथा रोजगार के नए अवसर विकसित होंगे और लाखों लोगों को आवागमन में सुविधा मिलेगी।

रेलवे संघर्ष समिति के सदस्य राम प्रसाद माली ने बताया कि सांसद के इस प्रयास से क्षेत्र की जनता में एक बार फिर उम्मीद जगी है कि वर्षों से लंबित यह परियोजना अब गति पकड़ सकती है। हालांकि, क्षेत्र के जानकारों का मानना है कि केवल पत्राचार से परियोजना को मंजिल तक पहुंचाना आसान नहीं होगा। उनका कहना है कि जब तक देश और प्रदेश के शीर्ष राजनीतिक नेतृत्व की ओर से इस परियोजना के प्रति विशेष रुचि और प्रभावी पैरवी नहीं होगी, तब तक यह मामला फाइलों में ही सीमित रह सकता है।

क्षेत्र के सामाजिक संगठनों और नागरिकों का कहना है कि यह रेलवे लाइन केवल एक परिवहन परियोजना नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र के आर्थिक और सामाजिक विकास का आधार बन सकती है। लंबे समय से जनप्रतिनिधियों, व्यापारिक संगठनों और आम नागरिकों द्वारा लगातार इसकी मांग उठाई जाती रही है।

अब क्षेत्रवासियों की निगाहें केंद्र सरकार और रेलवे मंत्रालय पर टिकी हैं कि क्या इस बार दशकों पुरानी मांग को स्वीकृति मिलेगी या यह महत्वाकांक्षी परियोजना एक बार फिर ठंडे बस्ते में चली जाएगी।

राष्ट्रीय पल्स पोलियो महा अभियानः जागरूकता रैली निकाली

0 से 5 साल की आयु तक के लक्षित 3 लाख 50 हजार 708 बच्चों को 1559 बूथों पर पिलाई जायेंगी पोलियो की खुराक

स्मार्ट हलचल| भीलवाड़ा

पल्स पोलियो अभियान के तहत आमजन में जन चेतना जागृति व अभियान को सफल बनाने को लेकर शहर में शनिवार को जन जागरूकता रैली निकाली गई। रैली के माध्यम से आमजन को अपने 0 से 5 वर्ष तक के छोटे-छोटे बच्चों को पोलियो रविवार के दिन पोलियो बूथ पर ले जाकर अधिकाधिक संख्या में दवा पिलाने का संदेश प्रसारित किया गया। रैली को प्रद्यानाचार्य, आरवीआरएस मेडिकल कॉलेज डॉ. पूजा गंगराड़े, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजीव कुमार शर्मा व जिला चिकित्सालय अधीक्षक डॉ. अरुण गौड़ ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

इस मौके पर जिला आरसीएच अधिकारी डॉ. अभिनव निर्वाण, डॉ. वीरेन्द्र शर्मा, डॉ. अमूल पारीक, डॉ. कपिल शर्मा, सहित अन्य अधिकारी व कार्मिक मौजूद रहे। यह रैली राजकीय महात्मा गांधी जिला अस्पताल से रवाना होकर मुख्य मुख्य मार्गो से होते हुए वापस अस्पताल परिसर के आगे सम्पन्न हुई। जागरूकता रैली के दौरान ''दो बूंद जिदंगी की'', यही है संकल्प हमारा, पोलियो मुक्त रहे देश हमारा, दो बूंद हर बार शहर की मुख्य सड़कों पर यह नारा आमजन के बीच गूंजता रहा। अभियान के दौरान आमजन से अपने बच्चों को अधिकाधिक संख्या में बूथों पर ले जाकर दवा पिलाने के लिए सीएमएचओ डॉ. संजीव कुमार शर्मा ने अपील की।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शर्मा ने बताया कि पल्स पोलियो अभियान का आगाज 28 जून रविवार को किया जायेगा। अभियान के सफल आयोजन व लक्षित बच्चों को दवा पिलाने की जागरूकता के लिए जिला व ब्लॉक स्तर पर व्यापक प्रचार प्रसार किया जा रहा है। जिले में कहीं माइकिंग, कहीं हॉर्डिंग्स फलैक्स तो कहीं पर जागरूकता रैली के माध्यम से पल्स पोलियो अभियान का प्रचार प्रसार किया जा रहा है। शनिवार को शहर में राजकीय नर्सिंग प्रशिक्षणार्थियों की ओर से जागरूकता रैली के माध्यम से अधिकाधिक बच्चों को दवा पिलाने का संदेश घर-घर तक पहुंचाया गया।

जिला आरसीएच अधिकारी डॉ. अभिनव निर्वाण ने बताया कि बच्चों को पोलियो मुक्त रखने के लिए 0 से 5 साल की आयु तक के लक्षित 3 लाख 50 हजार 708 बच्चों को पोलियो की खुराक दो बूंद जिन्दगी की पिलाई जायेगी। यह अभियान 28 जून से संचालित किया जाएगा। पहले दिन जिले में निर्धारित किए गए 1559 टीकाकरण बूथों पर तथा दूसरे व तीसरे दिन घर-घर जाकर टोलियों द्वारा छूटे बच्चों को दवा पिलाने का कार्य किया जायेगा।

आईटीआई गंगापुर में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन 29 जून से

स्मार्ट हलचल

गंगापुर। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) गंगापुर में सत्र 2026-27/28 हेतु विभिन्न व्यवसायों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 29 जून 2026 से 16 जुलाई 2026 तक संचालित की जाएगी। सहायक निदेशक (प्रशिक्षण) श्री बुधा प्रकाश जीनगर ने बताया कि संस्थान में फिटर, इलेक्ट्रीशियन, ICTSM, रेफ्रिजरेशन एवं एयर कंडीशनिंग , वेल्डर, कोपा तथा मैकेनिक डीजल सहित विभिन्न ट्रेडों में प्रवेश दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि महिला अभ्यर्थियों से किसी प्रकार का प्रशिक्षण शुल्क नहीं लिया जाएगा।

ऑनलाइन आवेदन के पश्चात 17 जुलाई 2026 तक प्रोविजनल मेरिट सूची जारी की जाएगी। प्रथम सीट आवंटन 24 जुलाई 2026 को होगा तथा चयनित अभ्यर्थियों को आवश्यक दस्तावेजों सहित 27 जुलाई से 30 जुलाई 2026 के बीच संस्थान में रिपोर्ट करना होगा।

इच्छुक अभ्यर्थी राज्य सरकार के एसएसओ पोर्टल अथवा निकटतम ई-मित्र केंद्र के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

संस्थान प्रशासन ने अधिक से अधिक योग्य अभ्यर्थियों से समय पर आवेदन कर कौशल प्रशिक्षण का लाभ उठाने की अपील की है।

बड़ोदिया में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच सम्पन्न हुई विष्णुयज्ञ की पूर्णाहुति, नवनिर्मित कीर्ति स्तंभ की हुई भव्य प्रतिष्ठा

81 कलशों के महास्नपन, प्राण प्रतिष्ठा एवं महाआरती के साथ दो दिवसीय धार्मिक महोत्सव सम्पन्न, श्रद्धालुओं ने लिया धर्मलाभ

स्मार्ट हलचल| बड़ोदिया (बांसवाड़ा)

समस्त गुजराती मेवाड़ा सुथार समाज, बड़ोदिया एवं श्री विश्वकर्मा सेवा संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में श्री विश्वकर्मा मंदिर परिसर में आयोजित दो दिवसीय श्री विष्णुयज्ञ एवं नवनिर्मित कीर्ति स्तंभ प्रतिष्ठा महोत्सव शनिवार को श्रद्धा, आस्था और वैदिक परंपराओं के साथ सम्पन्न हो गया। दूसरे दिन प्रातः से ही मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। वैदिक ऋचाओं, शंखध्वनि और मंगल मंत्रों के बीच विष्णुयज्ञ की पूर्णाहुति दी गई तथा नवनिर्मित कीर्ति स्तंभ की वैदिक विधि-विधान से प्रतिष्ठा सम्पन्न कराई गई। पूरे आयोजन के दौरान मंदिर परिसर भक्तिरस और आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर रहा।

यज्ञ की पूर्णाहुति के साथ सम्पन्न हुए प्रमुख धार्मिक अनुष्ठान

पंडित कपिल शास्त्री के आचार्यत्व तथा पंडित हरिओम पाठक एवं पंडित राहुल के श आचार्यत्व में यज्ञ की पूर्णाहुति सम्पन्न हुई। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच यजमानों ने अंतिम आहुतियां अर्पित कर विश्व शांति, समाज की सुख-समृद्धि एवं जनकल्याण की कामना की। पूर्णाहुति के बाद महापूजन एवं महाआरती का आयोजन हुआ।

कीर्ति स्तंभ की प्रतिष्ठा बनी मुख्य आकर्षण

महोत्सव के मुख्य आकर्षण के रूप में स्टेनलेस स्टील के 27 फीट ऊंचाई और 187 किलो वजनी नवनिर्मित भव्य कीर्ति स्तंभ की हेमन्त शर्मा व रंजना शर्मा ने पूजा अर्चना कर अभिषेक किया। इसके बाद नवनिर्मित कीर्ति स्तंभ की वैदिक विधि-विधान से प्रतिष्ठा सम्पन्न कराई गई। इससे पूर्व जलाधिवास, धान्याधिवास, ग्रह शांति, कुटीर होम एवं विभिन्न वैदिक संस्कारों के उपरांत दिव्य औषधियों से युक्त 81 पवित्र कलशों के माध्यम से कीर्ति स्तंभ का भव्य महास्नपन कराया गया। इसके बाद मंत्रोच्चार एवं शुभ मुहूर्त में प्रतिष्ठा सम्पन्न हुई। प्रतिष्ठित कीर्ति स्तम्भ पर ध्वजारोहण भी किया गया। श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर जयघोष के साथ इस ऐतिहासिक क्षण का स्वागत किया।

भक्ति में डूबा रहा मंदिर परिसर

महोत्सव के दौरान भगवान श्री विश्वकर्मा, विघ्नहर्ता श्री गणेश, वेदमाता गायत्री, शिव दरबार एवं श्री हनुमानजी की प्रतिमाओं का विशेष पूजन-अभिषेक एवं श्रृंगार किया गया। श्रद्धालुओं ने दर्शन कर परिवार एवं समाज की सुख-समृद्धि की कामना की। शुक्रवार रात्रि आयोजित संगीतमयी सुंदरकांड ने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया, वहीं शनिवार को महाआरती में श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा।

सातों चोखलों के अध्यक्षों की रही गरिमामयी उपस्थिति

प्रतिष्ठा महोत्सव में सुथार समाज के सातों चोखलों के अध्यक्ष, पदाधिकारी एवं विभिन्न क्षेत्रों से आए समाजबंधुओं ने भाग लेकर समाज की एकता एवं धार्मिक परंपरा का परिचय दिया। अतिथियों एवं समाजजनों का मंदिर समिति द्वारा सम्मान भी किया गया।

इन यजमानों ने दी पूर्णाहुति की आहुतियां

कीर्ति स्तंभ स्थापना के यजमान लीलाराम भूराजी शर्मा एवं शांता देवी, डॉ. कमलेश शर्मा एवं श्रीमती भावना शर्मा ने पूर्णाहुति में आहुतियां अर्पित कीं। विष्णु यज्ञ कुंड के यजमान पुरुषोत्तमजी वखतरामजी सुथार परिवार की ओर से हीरालाल सुथार एवं मंजूला देवी तथा दिनेश सुथार व संतोष देवी ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूर्णाहुति में आहुतियां देकर समाज एवं राष्ट्र की उन्नति की कामना की। चंद्रमोहन सुथार व वीणा देवी ने महाआरती का पुण्यलाभ लिया।

युवा कार्यकर्ताओं ने निभाई अहम जिम्मेदारी

प्रतिष्ठा महोत्सव की सभी व्यवस्थाओं में समाज के युवा कार्यकर्ताओं ने उल्लेखनीय योगदान दिया। लीलाराम शर्मा व प्रेमशंकर सुथार के निर्देशन में जयप्रकाश सुथार, प्रवीण धूलजी सुथार, जगदीश शर्मा, नारायणलाल सुथार, घनश्याम, हेमन्त शर्मा, भूपेश शर्मा, जितेंद्र, दीपक सुथार, वैभव, लोकेश, भुवन, गिरीश एवं अनित, सहित अनेक युवाओं ने मंदिर सजावट, यज्ञशाला, स्वागत, पार्किंग, महाप्रसादी एवं अन्य व्यवस्थाओं का सफल संचालन कर आयोजन को अनुशासित एवं भव्य स्वरूप प्रदान किया।

महाप्रसादी में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

प्रतिष्ठा समारोह एवं महाआरती के बाद आयोजित महाप्रसादी में क्षेत्रभर से पहुंचे हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। मंदिर समिति एवं समाजजनों ने श्रद्धालुओं की सुविधाओं के लिए भोजन, पेयजल, बैठने एवं अन्य व्यवस्थाएं सुचारु रूप से संचालित कीं।

अध्यक्ष ने जताया आभार

श्री विश्वकर्मा सेवा संस्थान के अध्यक्ष सुरेश भूरालालजी सुथार ने महोत्सव की सफलता पर सभी यजमानों, आचार्यों, समाज के सातों चोखलों के अध्यक्षों, महिला मंडल, युवा कार्यकर्ताओं, दानदाताओं एवं श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि समाज की एकजुटता और सहयोग से यह प्रतिष्ठा महोत्सव ऐतिहासिक एवं अविस्मरणीय बन सका।

मुहर्रम पर मातमी धुन के बीच निकला ताजियों का जुलूस

स्मार्ट हलचल

नाहरगढ़। कस्बे में मुहर्रम के अवसर पर कस्बा नाहरगढ़ में हज़रत इमाम हुसैन की शहादत की याद में मातमी धुन और 'या हुसैन' की सदाओं के बीच ताजियों का भव्य एवं अनुशासित जुलूस निकाला गया। बड़ी संख्या में अकीदतमंदों ने जुलूस में शामिल होकर मातम किया, वहीं अंजुमन सदर डॉ. सगीर खान तथा मुहर्रम कमेटी अध्यक्ष मुस्तकीम मंसूरी ने बताया कि जुलूस पूरी शांति, अनुशासन और आपसी भाईचारे के साथ संपन्न हुआ। इस दौरान जब्बार भाई सहित कमेटी के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में अक़ीदतमंद मौजूद रहे। जुलूस मार्ग पर विभिन्न सामाजिक संगठनों एवं नागरिकों द्वारा जगह-जगह छबील लगाई गई। अकीदतमंदों और राहगीरों का आइसक्रीम, शीतल पेय, पानी, फल एवं फ्रूट वितरित कर स्वागत किया गया। सेवा कार्य में

युवाओं और समाजसेवियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया

सुरक्षा व्यवस्था को लेकर थाना अधिकारी कमल सिंह पुलिस जाप्ते के साथ पूरे समय मौजूद रहे। उनकी निगरानी में जुलूस शांतिपूर्ण ढंग से अपने निर्धारित मार्ग से होकर संपन्न हुआ। मुहर्रम के इस अवसर पर नाहरगढ़ में आपसी सौहार्द, भाईचारे और इंसानियत की मिसाल देखने को मिली, जहां सभी समुदायों के लोगों ने मिलकर सेवा और सहयोग का संदेश दिया। वहीं वार्ड पंच व अखाड़ा उस्ताद छीतरलाल नामदेव का डा सगीर खान के नेतृत्व में साफाबंदी कर स्वागत किया गया।

मन्नत पूरी होने पर मोहर्रम पर्व पर बच्चों को गुड़, नारियल, खोपरा और सिरनी से तोलकर

स्मार्ट हलचल|काछोला

मोहर्रम के पावन पर्व के अवसर पर काछोला कस्बे में हजरत इमाम हुसैन और कर्बला के शहीदों की शहादत की याद में विभिन्न धार्मिक परंपराएं अकीदत के साथ निभाई गईं। इसी क्रम में कई परिवारों ने अपनी मन्नत पूरी होने पर बच्चों को गुड़, नारियल, खोपरा और सिरनी से तोलकर मन्नत अदा की।

परंपरा के अनुसार बच्चों को तराजू के एक पलड़े में बैठाया गया, जबकि दूसरे पलड़े में गुड़, नारियल, खोपरा और सिरनी रखकर तोला गया। बाद में इस सामग्री को अकीदतमंदों और जरूरतमंदों में बांटा गया। इस दौरान पर्व पर श्रद्धा और भाईचारे की भावना देखने को मिली। कस्बे में मोहर्रम के दौरान निकले ताजिया और जुलूसों में बड़ी संख्या में समाजजन शामिल हुए। लोगों ने इमाम हुसैन की शहादत को याद करते हुए उनकी शिक्षाओं पर चलने का संकल्प लिया।

मोहर्रम के आयोजन में युवाओं, बुजुर्गों और बच्चों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। पूरे कार्यक्रम के दौरान शांति, सद्भाव और आपसी भाईचारे का संदेश दिखाई दिया।

माहेश्वरी समाज के 16 मेधावी छात्र-छात्राओं व 2 वरिष्ठ जनों को किया सम्मानित

चन्द्रशेखर आजाद नगर माहेश्वरी सेवा समिति ने किया वरिष्ठजनो व मेधावी छात्र-छात्राओं का सम्मान समारोह आयोजित

स्मार्ट हलचल| भीलवाड़ा

चन्द्रशेखर आजाद नगर क्षेत्रीय माहेश्वरी सभा द्वारा महेश नवमी पर स्वजातीय मेधावी छात्र-छात्राओं, वरिष्ठजनो और उत्कृष्ट कार्य करने वाले समाज के लोगों को सम्मानित किया गया। क्षेत्रीय अध्यक्ष कमलेश काबरा ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ प्रदेश अध्यक्ष राधेश्याम चेचानी, वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष प्रदीप बल्दवा, उपाध्यक्ष रामकिशन सोनी, जिला मंत्री रमेश राठी, जिला कोषाध्यक्ष सुशील मरोटिया, जिला संगठन मंत्री महेन्द्र काकाणी, संयुक्त मंत्री राजेन्द्र पोरवाल, नगर अध्यक्ष केदार जागेटिया, नगर सचिव सुरेश बिड़ला कोषाध्यक्ष गोपाल नराणीवाल, उपाध्यक्ष सुनील बियानी, मनोहर अजमेर,के.जी राठी, विनय माहेश्वरी,सह सचिव दिनेश हेड़ा, महेश सेवा समिति क के राजेंद्र कचोलिया रामेश्वरम समिति कोषाध्यक्ष सुरेश कचोलिया, मुकेश अजमेरा महिला प्रदेश अध्यक्ष सीमा कोगटा,भारती बाहेती,सोनल माहेश्वरी नगर युवा सगठन अध्यक्ष अर्चित मूंदड़ा, सचिव अंकित लाखोटिया, केसर कुंज के कमल सोनी, कैलाश सोनी, मिडिया प्रभारी पंकज पोरवाल ने भगवान महेश की तस्वीर के समक्ष द्वीप प्रज्वलन कर किया गया।

कार्यक्रम के दौरान में हाईस्कूल, इंटरमीडिएट, प्रोफेशनल छात्र छात्राओ के 16 मेधावी छात्र-छात्राओं के साथ ही वरिष्ठजनो को सम्मानित किया गया। क्षेत्रीय मंत्री अश्विनी तोतला ने बताया कि 10वी एवं 12वी मे उत्कृष्ट परिणाम आने पर प्रियांसी नौलखा,आयुशी माहेश्वरी,आर्यन काष्ट,अपेक्षा माहेश्वरी, कुमकुम माहेश्वरी, इसीका समदानी, रिषिका माहेश्वरी, आरव जागेटिया, वंश कोगटा, दिव्यम मालू, एवं सी ए में सफल प्रशांत लड़ा, वैभव माहेश्वरी, रौनक समदानी, अभिषेक न्याति तथा प्रोफेशनल कोर्सेज मे स्वर्णिम माहेश्वरी, कार्तिक जागेटिया,को सम्मानित किया गया। सहित ही वरिष्ठजनो में श्रीमति कान्ता देवी काबरा भंवरलाल लाठी, को दुप्पटा, शॉल ओढाकर स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। इस दौरान महेश नवमी पर नगर सभा द्वारा आयोजित विभिन्न प्रतियोगिता मे क्षेत्रीय सभा से विजेता रहे प्रतिभागियो को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में रामनिवास समदानी,योगेश माहेश्वरी, प्रमोद काबरा,राजेन्द्र माहेश्वरी, विनोद लड़ा, ललित मेलाना,सत्यनारायण काष्ट, परमेश्वर बांगड़, रमेश जागेटिया, अशोक बसेर, बाबूलाल तोतला, विजय बाहेती,प्रेमकिशन मंत्री, सत्यनारायण तोतला,सूर्यप्रकाश नौलखा, गोपाल मूंदड़ा,महिला मंडल अध्यक्षा चन्द्रा जागेटिया, मंत्री ललिता राठी, यूवी अध्यक्ष अंकित सोमानी, सचिव शुभम सोमानी,मितेश सोडानी, का सहयोग रहा। कार्यक्रम का संचालन कृष्ण गोपाल सोमानी ने किया।

कुलकुण्ड़ धाम में शिव प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर 9 फीट का बीलपत्र लगाकर पर्यावरण महायज्ञ का दिया संदेश

स्मार्ट हलचल | नारायणपुर

अरावली पर्वतमाला की तलहटी में बसा प्राचीन कुलकुण्ड धाम में शनिवार को नवनिर्मित अशावरी माता मन्दिर में शिव परिवार, भैरूजी महाराज, हनुमानजी महाराज की मूर्ती प्राण प्रतिष्ठा की गई। इसी अवसर पर श्री कृष्णा शिक्षा एवं ग्रामीण विकास समिति द्वारा चलाए जा रहे पर्यावरण महायज्ञ के अंतर्गत सचिव सुनील कुमार शर्मा के नेतृत्व में कोलाहेड़ा निवासी सुदेश कंवर व गूगनसिंह शेखावत ने 9 फीट का बीलपत्र का पौधारोपण एवं उसकी सुरक्षा के लिए ट्री गार्ड लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। सचिव सुनील कुमार शर्मा ने बताया कि बीलपत्र भगवान शंकर को अत्यंत प्रिय है और भगवान शिव की पूजा में इसका विशेष महत्व माना जाता है। तीन पत्तियों वाला बीलपत्र शिवजी के त्रिशूल और त्रिनेत्र का प्रतीक माना जाता है। श्रद्धालु भगवान शिव को बिलपत्र अर्पित कर सुख, शांति और समृद्धि की कामना करते हैं। बिलपत्र केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक ही नहीं, बल्कि पर्यावरण और औषधीय दृष्टि से भी महत्वपूर्ण वृक्ष है। बेल वृक्ष का संरक्षण एवं अधिक से अधिक पौधारोपण करना प्रकृति संरक्षण की दिशा में एक सकारात्मक कदम है। उन्होंने लोगों से आह्वान किया कि धार्मिक महत्व वाले वृक्षों को संरक्षित कर पर्यावरण को हरा-भरा बनाने में सहयोग करें। इस अवसर पर गूगनसिंह शेखावत ने कहा कि शिव प्राण प्रतिष्ठा के साथ बीलपत्र का वृक्षारोपण केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि प्रकृति एवं मानवता के प्रति हमारी जिम्मेदारी है। पौधो की नियमित देखभाल कर पर्यावरण संरक्षण के इस अभियान को जनआंदोलन का रूप दें। इस मौके पर सचिव सुनील कुमार शर्मा, सुदेश कंवर, गुगनसिंह शेखावत, विक्रम खटाणा, छाजूराम गुर्जर, सुल्तान धाबाई, रामकरण, अर्जून धाबाई, माडूराम, छोटेलाल पायला, प्रकाश गुर्जर, पार्षद ओमप्रकाश गोवलिया, पार्षद विक्रम गुर्जर, सोहन लाल गुर्जर सहित आदि मौजूद थे।

भाजपा युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष शंकर गोरा का किया सम्मान, युवा संगठन को लेकर हुई चर्चा

स्मार्ट हलचल|चित्तौड़गढ़

भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष शंकर गोरा से शुक्रवार को जयपुर में शिष्टाचार मुलाकात की गई। इस अवसर पर श्री राष्ट्रीय परशुराम सेना के प्रदेश संगठन महामंत्री नितेश कुमार शर्मा ने उनका ऊपरना ओढ़ाकर एवं मिठाई खिलाकर स्वागत एवं शुभकामनाएं दीं।

मुलाकात के दौरान चित्तौड़गढ़ जिले में भारतीय जनता युवा मोर्चा के संगठनात्मक विस्तार एवं जिला अध्यक्ष पद सहित विभिन्न संगठनात्मक विषयों पर चर्चा हुई। प्रदेश अध्यक्ष शंकर गोरा ने संगठन को और अधिक मजबूत बनाने के लिए कार्यकर्ताओं से सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

नगर माहेश्वरी सभा के चुनाव, 29 जून तक होंगे नामांकन

स्मार्ट हलचल|चित्तौड़गढ़

चित्तौड़गढ़ नगर माहेश्वरी सभा की नवगठित क्षेत्रीय सभाओं के नगर एवं जिला कार्यकारी मंडल सदस्य, क्षेत्रीय सभाओं के अध्यक्ष, सचिव तथा नगर एवं जिला प्रतिनिधियों के निर्वाचन कार्यक्रम की घोषणा कर दी गई है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 29 जून को नामांकन पत्र दाखिल किए जाएंगे। निर्वाचन कार्यक्रम के अनुसार 29 जून को प्रातः 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक नामांकन पत्र स्वीकार किए जाएंगे। उसी दिन शाम 4 बजे नामांकन पत्रों की जांच के बाद प्रत्याशियों की प्रारंभिक सूची प्रकाशित की जाएगी। प्रत्याशी 30 जून को दोपहर 1 बजे तक अपने नाम वापस ले सकेंगे। अंतिम प्रत्याशी सूची का प्रकाशन 30 जून को शाम 4 बजे किया जाएगा। यदि आवश्यक हुआ तो 1 जुलाई को प्रातः 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक मतदान कराया जाएगा। मतदान का आयोजन जागेटिया रिसोर्ट, बोजुन्दा में होगा। निर्वाचन कार्यालय काबरा चेम्बर्स, प्रथम तल, दुकान नंबर-2, नया गोकुल कॉम्प्लेक्स, चित्तौड़गढ़ में स्थापित किया गया है।

मिशन-300 के तहत जेसीबी से शुरू हुआ तालाब खनन, मनरेगा मजदूरों में नाराजगी

स्मार्ट हलचल | खखरेरू / फतेहपुर

धाता विकासखंड क्षेत्र की ग्राम पंचायत रतनपुर, मजरा बरैयपुर स्थित बीरन तालाब का खनन कार्य मिशन-300 के तहत जेसीबी मशीन से शुरू होने पर मनरेगा मजदूरों और ग्रामीणों में नाराजगी देखने को मिली। ग्रामीणों का कहना है कि यदि तालाब की खुदाई मनरेगा के तहत पंजीकृत मजदूरों से कराई जाती तो उन्हें रोजगार मिलता, लेकिन मशीनों से कार्य कराए जाने से मजदूरों की उम्मीदों पर पानी फिर गया।

जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स द्वारा बरसात से पहले जल संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जिले में मिशन-300 अभियान शुरू किया गया है। इसके तहत प्रत्येक ग्राम पंचायत में तालाबों के निर्माण एवं पुनर्जीवन का लक्ष्य निर्धारित किया गया है ताकि वर्षा जल का अधिकतम संचयन किया जा सके। इसी क्रम में रतनपुर मजरा बरैयपुर स्थित बीरन तालाब का खनन कार्य प्रारंभ किया गया।

हालांकि, तालाब की खुदाई जेसीबी मशीन से कराए जाने पर ग्रामीणों ने सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि मनरेगा का उद्देश्य ग्रामीण मजदूरों को स्थानीय स्तर पर रोजगार उपलब्ध कराना है। ऐसे में मशीनों से कार्य कराए जाने से मजदूरों को काम मिलने की संभावना कम हो गई है।

ग्रामीण यासीन, रफीक, अकबर, रहूप, याकूब, रियाज, रामनरेश, गुड्डू, पुरुषोत्तम, विनीत और विपिन ने बताया कि प्रशासन को तालाबों की खुदाई मनरेगा मजदूरों से करानी चाहिए थी। इससे एक ओर तालाब का निर्माण होता, वहीं दूसरी ओर ग्रामीणों को रोजगार भी मिलता।

उधर, इस संबंध में पूछे जाने पर धाता के एपीओ ने बताया कि बीरन तालाब का निर्माण मिशन-300 के तहत राज्य वित्त एवं अन्य वित्तीय मदों के संयुक्त अभियान के अंतर्गत कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रारंभिक खुदाई का कार्य मशीनों से कराया जा रहा है, जबकि बाद में तालाब के समतलीकरण एवं फिनिशिंग का कार्य मनरेगा मजदूरों से कराया जाएगा।

अब देखना यह होगा कि प्रशासन मनरेगा मजदूरों को कितनी प्राथमिकता देता है और तालाब निर्माण में उन्हें वास्तविक रूप से रोजगार उपलब्ध हो पाता है या नहीं।

70 गांव आम चौखला समिति द्वारा रैगर समाज आम सभा एवं प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित

स्मार्ट हलचल| शंभूगढ़

कस्बे में स्थित रेगर समाज सामुदायिक भवन पर 70 गांव आम चौखला रैगर समाज सुधार समिति द्वारा विशाल आम सभा एवं रैगर समाज के कक्षा 10 वीं और कक्षा 12वीं में 85 प्रतिशत से अधिक अंक हासिल करने वाले 34 छात्र छात्राओं,नवनियुक्त कर्मचारी, खेलकूद प्रतियोगिता में राज्य व राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली प्रतिभाओं का सम्मान समारोह आयोजित किया गया, इस अवसर पर प्रतिभाओं को प्रशस्ति पत्र, स्कूल बैग, डॉक्यूमेंट फाइल और बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर की तस्वीर भेंट की गई।

इस अवसर पर कार्यक्रम में अथिति पधारे पूर्व विधायक हगामी लाल मेवाड़ा, शाहपुरा विधायक प्रत्याशी नरेंद्र कुमार रेगर, सरपंच पारसी देवी साहू, समाजसेवी गणपत लाल तेली, एडवोकेट कन्हैयालाल रेगर, समाजसेवी गजेंद्र कुमार सेन, ढूंस श्यामलाल डडवाल, सेवानिवृत पुलिस उपाधीक्षक गोपाललाल हिंडोनिया, सेवानिवृत्ति सहायक महाप्रबंधक नाबार्ड मानकचंद कांसोटिया, 70 गांव आम चौखला समिति अध्यक्ष नौरतमल डडवाडिया, भाजपा ह्राष मंडल अध्यक्ष राधेश्याम तगाया, पूर्व भाजपा जिला मंत्री सुखदेव डड़वडिया, कांग्रेस ह्राष ब्लॉक मोर्चा अध्यक्ष सुनील रैगर, पूर्व समिति अध्यक्ष रामलाल सुखरिया, डॉ भीमराव अंबेडकर मेमोरियल वेलफेयर सोसाइटी जिला अध्यक्ष सोहनलाल भोजपुरिया , रोहित कुमार तेली , डालचंद मुंडेतिया, चौथमल कांसोटिया, मूलचंद नोगिया, पारसमल जारोंटिया, रोशनलाल जेलिया, रोशन लाल कांसोटिया आदि के 70 गांव आम चौखला समिति के सदस्य और सैकड़ों की संख्या में समाज बंधु उपस्थित थे ।

सामुदायिक भवन पर प्रस्तावित है मॉडल लाइब्रेरी

शंभूगढ़ कस्बे में स्थित रेगर समाज सामुदायिक भवन पर शिक्षा के क्षेत्र में युवाओ के लिए लाइब्रेरी निर्माण हेतु समाजसेवी रोहित कुमार तेली ने इसी कार्यक्रम में 71000 रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की गई, इससे पूर्व सेवानिवृत्ति के अवसर पर माणकचंद कासोटिया ने भी 1लाख रुपए की आर्थिक सहायता की घोषणा की थी इस अवसर पर सभी समाज बंधुओ द्वारा उक्त दोनों भामाशाहो का साफा पहनाकर सम्मान किया गया 70 गांव आम चौखला सुधार समिति शंभूगढ़ द्वारा प्रतिवर्ष क्षेत्र की प्रतिभाओं का सम्मान समारोह आयोजित किया जाता है इससे क्षेत्र के युवाओं में प्रतिस्पर्धा व बेहतरीन प्रदर्शन करने की प्रेरणा मिलती है इस कार्यक्रम को लेकर युवाओं में उत्साह का माहौल बना रहता है।

कलेक्टर की सख्ती से खुली मिलीभगत की परतें

पटवारी ने दबाई थी सुंदरम रेजिडेंसी नामक अवैध कॉलोनी की रिपोर्ट

कलेक्टर के आदेश पर सुन्दरम रेजिडेंसी नामक अवैध कालोनी में चली जेसीबी, सिटी पटवारी पर 17 सीसीए की कार्यवाही

स्मार्ट हलचल| बूंदी

शहर में कृषि भूमि पर भू-उपयोग परिवर्तन करवाऐ बिना अवैध रूप से कालोनियां काट कर भूखण्ड बेचने का गोरखधंधा काफी समय से चल रहा है क्योंकि जिले में कृषि भूमि की सुरक्षा और अवैध कॉलोनियों पर अंकुश लगाने की जिम्मेदारी जिन अधिकारियों और कर्मचारियों के कंधों पर है, उन्हीं पर अब नियमों को दरकिनार कर भूमाफियाओं को संरक्षण देने के गंभीर आरोप सामने आए हैं। देवपुरा क्षेत्र में कृषि भूमि पर बिना भू-उपयोग परिवर्तन और बिना किसी वैधानिक अनुमति के विकसित की जा रही सुंदरम रेजिडेंसी नामक अवैध कॉलोनी के एक मामले ने प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। पूरे घटनाक्रम में सबसे चौंकाने वाला खुलासा यह हुआ कि सिटी पटवारी ने अवैध कॉलोनी की रिपोर्ट तैयार करने के बावजूद , रिपोर्ट को नियमानुसार तहसील कार्यालय में प्रस्तुत नहीं किया, जिससे भूमाफियाओं को खुलेआम भूखंड बेचने का अवसर मिलता रहा।

मामला समय उजागर हरफूल सिंह यादव तक पहुंची। जिला कलक्टर ने तत्काल तहसीलदार और नगर परिषद आयुक्त को कार्रवाई के निर्देश दिए। जब तहसीलदार ने रिकॉर्ड की जांच करवाई तो पता चला कि जिस नोटिस की प्रति जिला कलक्टर कार्यालय से भेजी गई थी, वह संबंधित पटवारी ने कभी तहसील कार्यालय में जमा ही नहीं करवाई । इससे प्रशासनिक स्तर पर मिलीभगत और लापरवाही की परतें खुलने लगीं।

एक माह तक धड़ल्ले से बिकते रहे प्लॉट जानकारी के अनुसार शहर के कोटा रोड स्थित देवपुरा में आनंदी मैरिज गार्डन के पीछे खसरा नंबर 398 की करीब 2.0455 हेक्टेयर कृषि भूमि पर पिछले एक माह से अवैध रूप से कॉलोनी विकसित की जा रही थी। आरोप है कि भूमाफियाओं ने खातेदारों की भूमि की रजिस्ट्री करवाए बिना ही कॉलोनी का नक्शा तैयार कर भूखंडों का विक्रय शुरू कर दिया। सबसे गंभीर तथ्य यह है कि उक्त भूमि का नगर परिषद में नियमन भी नहीं हुआ था और न ही भू उपयोग परिवर्तन की कोई वैधानिक प्रक्रिया पूरी की गई थी।

पटवारी ने बनाई रिपोर्ट, फिर दबा दी फाइल

तहसीलदार अर्जुनलाल मीणा ने बताया कि जानकारी करने पर सामने आया कि सिटी पटवारी महादेव

मेघवाल ने मौके का निरीक्षण कर खातेदार अशोक कुमार, यतीश कुमार सहित अन्य के विरुद्ध राज-स्थान भू-राजस्व अधिनियम की धारा 90-ए के तहत कार्रवाई की रिपोर्ट 8 जून को तैयार कर ली थी। लेकिन इसके बाद रिपोर्ट न तो उन्हे भेजी गई और न ही तहसील कार्यालय में जमा करवाई गई। जिसके कारण भूमाफिया लगातार प्लॉट बेचते रहे और प्रशासनिक कार्रवाई ठंडे बस्ते में पड़ी रही।

कलक्टर के आदेश से खुला पूरा खेल

मामले में 18 जून को जब शिकायत जिला कलक्टर हरफूल सिंह यादव तक पहुंची तो उन्होंने तत्काल तहसीलदार अर्जुनलाल मीणा और नगर परिषद आयुक्त बृजेश रॉय को नोटिस और कॉलोनी का नक्शा भेजते हुए कार्रवाई के निर्देश दिए। तहसीलदार ने जब रिकॉर्ड की जांच करवाई तो पता चला कि संबंधित नोटिस तहसील कार्यालय में मौजूद ही नहीं था। इसके बाद पटवारी से जवाब मांगा गया, तब उसने 15 जून को नोटिस तहसील कार्यालय में प्रस्तुत किया। इस पूरे घटनाक्रम ने पटवारी और भूमाफियाओं के बीच संभावित मिलीभगत की आशंकाओं को और गहरा कर दिया।

नगर परिषद की भूमिका भी सवालों के घेरे में

इस मामले में नगर परिषद की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठ रहे हैं। जिस भूमि पर अवैध कॉलोनी विकसित की जा रही थी, उससे कुछ ही दूरी पर हाल ही में नगर परिषद ने अवैध स्विमिंग पूल को सीज करने की कार्रवाई की थी। ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि इतनी बड़ी अवैध प्लॉटिंग नगर परिषद के अधिकारियों की नजर से कैसे बच गई?

कलक्टर के निर्देश पर चली जेसीबी

मामले की गंभीरता को देखते हुए जिला कलक्टर हरफूल सिंह यादव ने तत्काल प्रभाव से अवैध कॉलोनी पर कार्रवाई के निर्देश दिए। इसके बाद तहसील प्रशासन और नगर परिषद की संयुक्त टीम ने देवपुरा पहुंचकर जेसीबी की सहायता से अवैध रूप से बनाई गई सड़कों को ध्वस्त कर दिया। कार्रवाई के दौरान तहसीलदार अर्जुनलाल मीणा, नगर परिषद आयुक्त बृजेश रॉय, अतिक्रमण प्रभारी रवि दाधीच, कनिष्ठ अभियंता जोधराज मीणा सहित अन्य अधिकारी और प्रशासनिक अमला मौजूद रहा।

पटवारी को जारी हुआ 17 सीसीए का नोटिस

उधर राजकार्य में गंभीर लापरवाही और संवेदनशील मामले को दबाने के आरोप में सिटी पटवारी महादेव मेघवाल को राजस्थान सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमों के तहत 17 सीसीए का कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। जिला कलक्टर हरफूल सिंह यादव ने स्पष्ट किया कि अवैध कॉलोनियों के मामलों में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने तहसीलदार और नगर परिषद आयुक्त को भविष्य में नियमित निरीक्षण करने तथा कृषि भूमि पर अवैध प्लॉटिंग के विरुद्ध कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए हैं।

सरकारी खजाने को लाखों के राजस्व का नुकसान

भूमि विशेषज्ञों का कहना है कि कृषि भूमि पर बिना अनुमति कॉलोनियां विकसित होने से सरकार को भारी राजस्व हानि होती है। भूमि रूपांतरण शुल्क, विकास शुल्क, नक्शा स्वीकृति शुल्क और और अन्य अन्य वैधानिक शुल्क सरकार के खाते में नहीं पहुंच पाते। इसके अलावा अनियोजित कॉलोनियों के कारण भविष्य में सड़क, जलापूर्ति, सीवरेज, बिजली और अन्य आधारभूत सुविधाओं के विकास पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ता है। कृषि भूमि में लगातार कमी आने से खाद्य सुरक्षा और पर्यावरणीय संतुलन भी प्रभावित होता है।

वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हुआ बालाजी और गंगा मैया मंदिर का भूमि पूजन

स्मार्ट हलचल

ब्यावर। रेगरान मोहल्ला (छोटा बास) में प्रस्तावित श्री बालाजी एवं गंगा मैया मंदिर और परिसर की बाउंड्री निर्माण का शुभारंभ शनिवार सुबह 7:15 बजे बेहद श्रद्धा और उत्साह के साथ हुआ। विद्वान आचार्यों के सानिध्य में वैदिक मंत्रोच्चार और विधि-विधान से भूमि व नींव पूजन का धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कराया गया। इस पावन अवसर पर पूरा क्षेत्र भक्तिमय और आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर नजर आया।

मुख्य यजमान एडवोकेट घनश्याम फुलवारी ने अपनी धर्मपत्नी के साथ विधिवत पूजा-अर्चना और हवन में आहुतियां दीं। इस दौरान महिलाओं ने पारंपरिक मंगल गीत और भूमि पूजन के लोकगीत गाकर माहौल को और अधिक दिव्य बना दिया। श्रद्धालुओं ने भगवान बालाजी और मां गंगा से समाज की सुख-समृद्धि और शांति की कामना की।

इस अवसर पर एडवोकेट घनश्याम फुलवारी ने समाज को संबोधित करते हुए कहा कि मंदिर केवल पूजा का स्थान नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति, संस्कारों को सहेजने और नई पीढ़ी को जोड़ने का केंद्र है। उन्होंने समाज के सभी वर्गों से मंदिर निर्माण में तन, मन और धन से सहयोग करने की अपील की। वहीं, समाज के वरिष्ठजनों ने इसे एकता और धार्मिक चेतना का प्रतीक बताते हुए संकल्प लिया कि इस भव्य मंदिर का निर्माण कार्य समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाएगा।

ये रहे उपस्थितः

इस ऐतिहासिक क्षण के साक्षी बनने के लिए समाज के वरिष्ठजन बंसीलाल सिंगाड़िया, जगदीश सुखधामी, मदनलाल फुलवारी, भगवान गोस्वामी, गणपत कुर्डिया, गणपत चोरोटिया, किशोर बंशीवाल, महेश खोरवाल, माणक फुलवारी, राजू फुलवारी, गोपाल सिंह झरोटिया, दिलीप फुलवारी, राकेश राठौड़, जयहिंद दोलिया, लालचंद दोलिया, हरीश बंशीवाल, मोतीलाल सहित बड़ी संख्या में युवा, महिलाएं और गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। भूमि पूजन के साथ ही क्षेत्र में हर्ष की लहर है और निर्माण कार्य निर्विघ्न पूरा होने की प्रार्थना की जा रही है।

सड़क दुर्घटनाओं व मृत्युदर में कमी लाने हेतु झालावाड़ पुलिस की अभिनव पहल

थाना भवानीमंडी क्षेत्र में रेल्वे स्टेशन भवानीमंडी से बाबा चौराहा पचपहाड़ तक 27 जून को 4 पीएम से 5 पीएम तक आदर्श ट्रैफिक जोन

स्मार्ट हलचल

भवानी मंडी। भवानी मंडी पुलिस ने दुर्घटनाएं रोकने और मृत्यु दर को कम करने के लिए एक आदर्श अभिनव पहल करते हुए 27 जुन को सायंकाल चार से पांच बजे तक स्टेशन चौराहे से बाबा चौराहे को आदर्श ट्रैफिक जोन घोषित किया है जिसमें ट्रैफिक के नियमों की शपथ प्रतिशत पालन करवाई जाएगी

जिला पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आई.पी.एस. ने बताया कि सड़क दुर्घटनाओं एवं उनसे होने वाली मृत्यु की घटनाएं अत्यंत गंभीर चिंता का विषय है। आमजन की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए जिले में यातायात नियमों की सख्त पालना सुनिश्चित करने तथा जन-जागरूकता बढ़ाने हेतु एक विशेष अभियान प्रारंभ किया गया है। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भागचंद मीणा वृत्ताधिकारी वृत्त भवानीमंडी सत्यनारायण गोदारा के निकटतम सुपरविजन में थाना भवानीमंडी क्षेत्र में आज दिनांक 27 जून को समय 4 पीएम से 5 पीएम तक रेल्वे स्टेशन से बाबा चौराहा पचपहाड़ तक के मार्ग को आदर्श ट्रैफिक जोन घोषित किया गया है।

आदर्श ट्रैफिक जोन के निर्धारित एक घंटे की अवधि में कार्यवाही-

1. सभी वाहन चालकों द्वारा यातायात नियमों की शत-प्रतिशत पालना सुनिश्चित करवाई जाएगी। 2. बिना हेलमेट, बिना सीट बेल्ट व मोबाइल पर बात करते हुए वाहन चलाना, नो पार्किंग में वाहन खड़े करना, तेज गति से वाहन चलाना, वाहन में क्षमता से अधिक सवारी बैठाना, वाहनों पर ब्लैक फिल्म लगाना एवं अन्य ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध मोटर वाहन अधिनियम के नियमों के तहत कार्यवाही की जायेगी। 3. यह सुनिश्चित किया जाएगा कि कोई भी उल्लंघनकर्ता कार्यवाही से वंचित न रहे।

इस पहल का मुख्य उद्देश्य केवल दंडात्मक कार्यवाही करना नहीं, बल्कि आमजन में यातायात नियमों के प्रति जागरूकता एवं जिम्मेदारी की भावना विकसित करना है, जिससे सड़क दुर्घटनाओं एवं उनसे होने वाली मृत्यु दर में कमी लाई जा सके।

थानाधिकारी भवानीमंडी द्वारा समस्त नागरिकों से अपील की गई है कि सभी वाहन चालक यातायात नियमों का पूर्ण रूप से पालन करते हुए इस अभियान को सफल बनाएं तथा स्वयं एवं अन्य लोगों के जीवन की सुरक्षा सुनिश्चित करें, एवं इस पहल में सहयोग करने एवं व्यापक स्तर पर जागरूकता फैलाने का आह्वान किया गया है।

'सुरक्षित यातायात - सुरक्षित जीवन'

झालावाड़ पुलिस का यह प्रयास समाज में अनुशासन, जागरूकता एवं जिम्मेदारी की भावना को सुदृढ़ कर एक सुरक्षित वातावरण बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

गढ़ हिम्मत सिंह में पानी की टंकी पर चढ़ी महिला, घंटों चला हाई वोल्टेज ड्रामा; पुलिस की सूझबूझ से टला बड़ा हादसा

स्मार्ट हलचल

मंडावर। (दौसा) मंडावर क्षेत्र के समीप स्थित गढ़ हिम्मत सिंह गांव शनिवार को उस समय चर्चा का केंद्र बन गया, जब एक महिला अचानक गांव की ऊंची पानी की टंकी पर चढ़ गई। महिला के टंकी पर चढ़ने की सूचना मिलते ही पूरे गांव में हड़कंप मच गया। देखते ही देखते बड़ी संख्या में ग्रामीण घटनास्थल पर एकत्र हो गए और पूरे इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। घटना की सूचना तेजी से आसपास के गांवों में भी फैल गई, जिससे मौके पर लोगों की भीड़ बढ़ती चली गई।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए मंडावर थाना पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। पुलिस ने सबसे पहले भीड़ को नियंत्रित कर सुरक्षा व्यवस्था संभाली और फिर महिला से लगातार बातचीत शुरू की। पुलिस अधिकारियों ने धैर्य और सूझबूझ का परिचय देते हुए महिला को समझाने का प्रयास किया। काफी देर तक चले समझाइश के दौर के बाद महिला पुलिस की बात मान गई और उसे सुरक्षित पानी की टंकी से नीचे उतार लिया गया। महिला के सुरक्षित नीचे आते ही वहां मौजूद लोगों ने राहत की सांस ली।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, महिला काफी देर तक टंकी पर बनी रही, जिससे लोगों में किसी अनहोनी की आशंका बनी हुई थी। ग्रामीण लगातार महिला को नीचे उतरने की अपील करते रहे, वहीं पुलिस ने पूरे घटनाक्रम के दौरान संयम बनाए रखा और किसी भी प्रकार की जल्दबाजी नहीं दिखाई। पुलिस की सूझबूझ और शांतिपूर्ण प्रयासों के कारण संभावित बड़ा हादसा टल गया।

फिलहाल महिला के पानी की टंकी पर चढ़ने के पीछे के कारणों का खुलासा नहीं हो सका है। पुलिस महिला तथा उसके परिजनों से पूछताछ कर रही है और मामले के हर पहलू की गंभीरता से जांच की जा रही है। प्रारंभिक जांच में पुलिस किसी भी कारण की आधिकारिक पुष्टि करने से बच रही है।

घटना के दौरान सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस ने लोगों से टंकी के आसपास अनावश्यक भीड़ नहीं लगाने की अपील की। काफी देर तक घटनास्थल पर लोगों का जमावड़ा लगा रहा और पूरे क्षेत्र में इस घटना की चर्चा होती रही।

गनीमत रही कि पुलिस की तत्परता, धैर्य और स्थानीय लोगों के सहयोग से महिला को सकुशल नीचे उतार लिया गया। यदि समय रहते महिला को सुरक्षित नहीं उतारा जाता तो कोई भी अप्रिय घटना हो सकती थी। खबर लिखे जाने तक पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई थी तथा महिला के इस कदम के पीछे के वास्तविक कारणों का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा था।

बस्सी भाजपा मंडल की बैठक में आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों की बनी रूपरेखा

स्मार्ट हलचल| चित्तौड़गढ़

बस्सी भाजपा मंडल की मंडल पदाधिकारियों की बैठक मोड़ का बालाजी मंदिर प्रांगण में मंडल अध्यक्ष भंवर सिंह खरड़ी बावड़ी की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों, बूथ स्तर पर गतिविधियों के विस्तार तथा डिजिटल प्रशिक्षण अभियान को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक का संचालन मंडल महामंत्री रामगोपाल ओझा ने किया। मंडल महामंत्री रामेश्वरलाल धाकड़ ने बताया कि पार्टी के आगामी कार्यक्रमों को बूथ स्तर

तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने तथा जनसंपर्क बढ़ाने के उद्देश्य से विभिन्न अभियानों के संयोजकों की जिम्मेदारियां तय की गईं।

उन्होंने बताया कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जयंती संस्मरण पक्ष 6 जुलाई तक मनाया जाएगा। इसके अंतर्गत 28 जून को प्रधानमंत्री के 'मन की बात' कार्यक्रम का सामूहिक श्रवण, बूथ स्तर पर पौधरोपण तथा डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को श्रद्धांजलि अर्पित करने जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

मंडल महामंत्री मथुरालाल जाट ने कहा कि डिजिटल प्रशिक्षण अभियान को व्यापक जनभागीदारी के साथ बूथ स्तर तक पहुंचाया जाएगा। इसके लिए तैयार किए गए डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से कार्यकर्ता पंजीकरण कर चार मॉड्यूल आधारित प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। प्रशिक्षण पूर्ण कर परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले प्रतिभागियों को डिजिटल प्रमाणपत्र भी प्रदान किया जाएगा।

बैठक में मंडल उपाध्यक्ष किशन सुथार, कैलाश गुर्जर, दिग्विजय सिंह, प्रमोद कोठारी, बगदीराम गायरी, मौखम सिंह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष रामस्वरूप पुरोहित, रतन भंवर सिंह, मंडल मंत्री नारायण गुर्जर, शांतिलाल काटका, बद्रीलाल मीणा, राजेंद्र सिंह, जगदीश कुमावत, कैलाश रेगर, कोषाध्यक्ष जगदीश कोठारी, सह कोषाध्यक्ष प्रकाश सोनी, आईटी प्रमुख हर्षवर्धन सिंह, 'मन की बात' प्रभारी प्रहलाद रायका, सह प्रभारी गोवर्धन सिंह भाटी, प्रवक्ता सत्यनारायण वैष्णव, कालू सिंह, प्रेम शर्मा, देवलाल बैरवा सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे। अंत में मंडल मंत्री ममता जाट ने सभी का आभार व्यक्त किया।

केवीएस रीजनल स्पोर्ट्स मीट 2026: जूडो कोच मोहित मरमट बने निर्णायक

स्मार्ट हलचल

नगर फोर्ट केंद्रीय विद्यालय क्र मांक 5 , जयपुर में 27 से 29 जून तक आयोजित हो रही जयपुर संभाग की रीजनल स्पोर्ट्स मीट जूडो 2026 में निर्णायक की भूमिका के लिए नगर फोर्ट तहसील क्षेत्र रानीपुरा निवासी मोहित मरमट पुत्र हरिभजन मीना का चयन किया गया है। मोहित मरमट वर्तमान में सर्टिफाइड जूडो कोच और स्टेट टेक्निकल ऑफिशियल हैं। केंद्रीय विद्यालय संगठन के तत्वावधान में हो रही इस प्रतियोगिता की निर्णायक सूची में उनका नाम शामिल किया गया है। इस उपलब्धि पर राजस्थान जूडो एसोसिएशन के अध्यक्ष सुरेंद्र सांतरुक, कोच बी.पी. मीना, दिव्यांग पैरा स्पोर्ट्स एसोसिएशन ऑफ राजस्थान के सचिव हिम्मत सिंह गुर्जर, प्रिंसिपल गोपाल मीना, नटवर सिंह, परशु राम मीना, अंतरराष्ट्रीय वुडबॉल खिलाड़ी अजय सिंह मीना, अंतरराष्ट्रीय पैरा शूटिंग खिलाड़ी सुशील मेवाल, पूर्व सरपंच हेमेन्द्र गुर्जर ने हर्ष व्यक्त किया।

गोरा बादल स्टेडियम के पुनर्विकास का भूमि पूजन, हिन्दुस्तान जिंक के सहयोग से बनेगा आधुनिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स

स्मार्ट हलचल| चित्तौड़गढ़

शहर के ऐतिहासिक गोरा बादल स्टेडियम के पुनर्विकास कार्य का शनिवार को वैदिक मंत्रोच्चार के साथ भूमि पूजन किया गया। हिन्दुस्तान जिंक एवं नगर परिषद के संयुक्त सहयोग से लगभग एक वर्ष में विकसित होने वाला यह परिसर आधुनिक सुविधाओं से युक्त बहुउद्देशीय स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के रूप में तैयार होगा। भूमि पूजन कार्यक्रम में सांसद सी.पी. जोशी, विधायक चंद्रभान सिंह आक्या, जिला कलेक्टर डॉ. मंजू तथा हिन्दुस्तान जिंक के सीईओ अमरेन्दु प्रकाश ने विकास कार्य का शुभारंभ किया।

सांसद सी.पी. जोशी ने कहा कि स्टेडियम के पुनर्विकास से जिले के खिलाड़ियों को आधुनिक खेल सुविधाएं मिलेंगी। उन्होंने सुझाव दिया कि परिसर में वीर योद्धा गोरा-बादल की शौर्यगाथा का भी चित्रण किया जाए, ताकि युवा पीढ़ी अपने

गौरवशाली इतिहास से प्रेरणा ले सके।

विधायक चंद्रभान सिंह आक्या ने कहा कि आधुनिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स जिले की खेल प्रतिभाओं के लिए नई सौगात साबित होगा। उन्होंने जिले के विकास में हिन्दुस्तान जिंक के सहयोग की सराहना करते हुए भविष्य में भी ऐसे जनहित कार्यों की अपेक्षा जताई।

हिन्दुस्तान जिंक के सीईओ अमरेन्दु प्रकाश ने कहा कि वीरभूमि चित्तौड़गढ़ से जुड़ना गौरव का विषय है। उन्होंने कहा कि कंपनी सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत शिक्षा, खेल एवं सामुदायिक विकास के क्षेत्रों में निरंतर कार्य कर रही है और भविष्य में भी जिले के विकास में सक्रिय सहयोग जारी रहेगा। जिला कलेक्टर डॉ. मंजू ने कहा कि परियोजना का उद्देश्य खिलाड़ियों को विश्वस्तरीय खेल सुविधाएं उपलब्ध कराना है। उन्होंने विश्वास जताया कि निर्धारित समय में निर्माण कार्य पूरा कर स्टेडियम खिलाड़ियों को समर्पित किया जाएगा।

हिन्दुस्तान जिंक के आईबीयू हेड आलोक रंजन ने बताया कि स्टेडियम को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप विकसित किया जाएगा, जिससे खिलाड़ियों एवं आम नागरिकों को लंबे समय तक बेहतर सुविधाओं का लाभ मिलेगा। वेदांता समूह की सीएसआर हेड अनुपम निधि ने कहा कि यह परियोजना जिले में खेल संस्कृति को नई दिशा देने का महत्वपूर्ण प्रयास है।

विश्वस्तरीय सुविधाओं से होगा सुसज्जित परिसर

पुनर्विकास योजना के तहत अत्याधुनिक फुटबॉल मैदान, जॉगिंग एवं वॉकिंग ट्रैक, महिला एवं पुरुष खिलाड़ियों के लिए पृथक चेंजिंग रूम, आधुनिक शौचालय, पार्किंग, सीसीटीवी निगरानी, हाई मास्ट लाइटिंग, सौर ऊर्जा आधारित विद्युत व्यवस्था, वर्षा जल संचयन प्रणाली, संपर्क मार्गों का विकास तथा चारदीवारी एवं प्रवेश द्वारों का नवीनीकरण किया जाएगा। तैयार होने के बाद यह परिसर खेल प्रशिक्षण, प्रतियोगिताओं तथा सामाजिक आयोजनों के लिए उपयोगी होगा।

राजसमंद में पहली बार आयोजित 'रंगनायक-2026' का भव्य समापन, प्रतिभागियों ने नाट्य प्रस्तुतियों से जीता दर्शकों का दिल

स्मार्ट हलचल| उदयपुर

टीम संस्था, उदयपुर द्वारा आयोजित एक माह की ग्रीष्मकालीन रंगमंच कार्यशाला 'रंगनायक-2026' का भव्य समापन राजसमंद के कांकरोली स्थित विश्व भारती सोसायटी हॉल में हुआ। कार्यशाला के अंतिम दिन प्रतिभागियों ने शानदार नाट्य प्रस्तुतियों के माध्यम से अपने अभिनय कौशल का प्रभावशाली प्रदर्शन किया, जिसे दर्शकों ने भरपूर सराहा। कार्यशाला के निर्देशक सुनील टांक ने बताया कि पिछले कई वर्षों से 'रंगनायक' का आयोजन उदयपुर में होता आ रहा था, लेकिन इस वर्ष पहली बार इसे राजसमंद में आयोजित किया गया। इसका उद्देश्य उदयपुर के साथ-साथ आसपास के शहरों के बच्चों एवं युवाओं को भी रंगमंच प्रशिक्षण का अवसर प्रदान करना था।

लगभग एक माह तक चली इस कार्यशाला में जूनियर वर्ग (7 से 17 वर्ष) के 76 तथा सीनियर वर्ग (18 वर्ष से अधिक) के 21 प्रतिभागियों

ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को रंगमंच की मूलभूत एवं उन्नत तकनीकों से व्यावहारिक रूप से अवगत कराया गया। कार्यशाला की शुरुआत विभिन्न थिएटर गेम्स एवं अभ्यासों से हुई, जिसके बाद अभिनय के सिद्धांत, मंच एवं कैमरा अभिनय, इम्प्रोवाइजेशन, बॉडी लैंग्वेज, वॉयस एंड स्पीच, एक्सप्रेशन, इमोशन बिल्डिंग, इमेजिनेशन तथा नवरस सहित अभिनय के विभिन्न आयामों का प्रशिक्षण दिया गया।

समापन समारोह में प्रतिभागियों ने दो नाटकों का मंचन किया। जूनियर वर्ग के बच्चों ने सामाजिक संदेश पर आधारित नाटक 'आओ बड़ों, तुम्हे सिखाए' का भावपूर्ण मंचन किया, जबकि सीनियर वर्ग के प्रतिभागियों ने मनोवैज्ञानिक विषय पर आधारित नाटक 'साया' प्रस्तुत कर दर्शकों की खूब वाहवाही बटोरी। दोनों नाटकों का लेखन एवं निर्देशन सुनील टांक ने किया। नाटकों की मंच सज्जा वरिष्ठ रंगकर्मी शैलेन्द्र शर्मा तथा वेशभूषा वरिष्ठ नाट्यकर्मी रामेश्वर गौर द्वारा तैयार की गई। कार्यशाला के सफल संचालन में पूजा लोढ़ा, पूजल मंडोत, हर्षिल कवड़िया एवं डॉ. सोनम जैन का विशेष सहयोग रहा। समापन समारोह में मुख्य अतिथि डीवाईएसपी शिप्रा राजावत ने कार्यशाला एवं नाट्य प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की रचनात्मक गतिविधियाँ बच्चों और युवाओं के व्यक्तित्व विकास के साथ-साथ उनके आत्मविश्वास एवं अभिव्यक्ति क्षमता को भी सशक्त बनाती हैं। उन्होंने भविष्य में भी ऐसे सृजनात्मक आयोजनों के निरंतर आयोजन की आवश्यकता पर बल दिया। समारोह के अंत में सभी प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों, अभिभावकों एवं दर्शकों का आभार व्यक्त करते हुए सुनील टांक ने कहा कि टीम नाट्य संस्था भविष्य में भी राजसमंद सहित प्रदेश के विभिन्न शहरों में इस प्रकार की रंगमंचीय कार्यशालाओं का आयोजन करती रहेगी।

पशुपालन के बिना संभव नहीं टिकाऊ खेती

कृषि कार्य से धन अर्जन प्राचीन समय से किया जा रहा है प्राचीन सभ्यताएं स्वावलम्बी कृषि पर ही निर्भर रहीं।जब भी कृषि में स्वावलंबन समाप्त हुआ सभ्यताएं गिर गई।स्वावलम्बी कृषक बाहर के आदानों का मूल्य नहीं चुकाता है, वह उन्हें स्वयं उत्पादित करता है।स्वावलम्बन का अर्थ है पर्याप्त उत्पादन करना, पैसा कमाना तथा विपत्ति के दिनों के लिये बचाकर रखना है।भारत के किसान अपने परम्परागत ज्ञान को परिमार्जित करते हुए कृषि कार्य द्वारा मिट्टी से सोना बनाने का कार्य करता रहे, परन्तु आज पाश्चात्य् कृषि शिक्षा का प्रभाव, हरित क्रांति की चकाचौंध, कृषि के मशीनीकरण, रसायनिक खाद एवं कीटनाशकों के तात्कालिक लाभों को देखकर भारतीय किसान कृषि के स्वावलम्बन से दूर होकर रसायनिक खेती अपनाने लगा।

किसान अधिक उपज लेने के लिये आवश्यकता से अधिक उर्वरक एवं रसायनिक दवाओं का प्रयोग करने लगा जिससे उत्पादन में बढ़ोत्तरी अवश्य होती है परन्तु साथ ही साथ प्रति हेक्टेयर खर्चा भी बढता जा रहा है। इससे न केवल किसानों की आय में कमी देखी जा रही है बल्कि पर्यावरण पर भी विपरीत असर होता दिखाई दे रहा है। पिछले चार दशकों में कृषि रसायनों (खाद, कीटनाशक, नींदानाशक, और बढ़वार कारकों) और पानी के अविवेकीय अन्धाधुन्ध उपयोग ने मृदा उर्वरता, कृषि उत्पादकता के कारकों, उत्पाद गुणवत्ता एवं पर्यावरण पर विपरीत प्रभाव डाला है। रसायनिक खेती या गहन कृषि पद्धति की ओर प्रेरित किया है क्योंकि विश्व की जनसंख्या दिन पर दिन बढ़ती जा रही है और खाद्यान्न की आवश्यकता में भी वृद्धि होती जा रही है। रसायनिक उर्वरकों एवं कीटनाशकों के प्रयोग से कृषि योग्य भूमि में निम्ननिखित परिणाम देखने को मिले हैं।

- भूमि की सतह का सख्त होना।
- लाभप्रद जीवाणुओं की संख्या में कमी।
- भूमि की जलधारण क्षमता में कमी।
- मृदा की क्षारीयता, लवणता तथा जलागम में वृद्धि।
- भूमि में जीवाश्म की मात्रा में कमी।
- फसलों में कीट, व्याधियों व खरपतवारों की समस्या में वृद्धि ।
- भूमि की उत्पादकता में निरन्तर कमी।

उपरोक्त कारणों की वजह से आज कृषक को खेती घाटे का सौदा बनती जा रही है। आज हमारे विश्व की जनसंख्या लगभग 6 अरब है व सन् 2050 तक इसका 9 अरब होने का अनुमान है। लेकिन हमारी कृषि उत्पादकता बढ़ने की बजाय स्थिर हो गई है। इन्हीं बातों को ध्यान में रखते हुए कृषि वैज्ञानिक आधारित या टिकाऊ खेती करने पर जोर दे रहे हैं।

टिकाऊ खेती से तात्पर्य फसल एवं पशुपालन उत्पादन के एकीकरण तंत्र से है। जो लम्बे समय तक निम्न बातें पूर्ण कर सके।

- मनुष्य के भोजन की पूर्ति कर सके।
- वातावरण की गुणवत्ता एवं प्राकृतिक संसाधनों को बचायें।
- उन सभी संसाधनों का प्रभावी ढंग से उपयोग हो जिनका पुर्नउत्पादन नहीं हो सकता है।
- भूमि की आर्थिक उपयोगिता को बनाये रखें।
- कृषक व समाज के जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाएं।

इस प्रकार से टिकाऊ खेती में वह सभी बातें समाहित हैं जिससे वातावारण सुधरे, आर्थिक लाभ हो एवं समाज में समानता आए। यहां पशुपालन की टिकाऊ खेती में बराबर की हिस्सेदारी है क्योंकि पशुओं की कृषि में आर्थिक उपयोगिता है, व साथ ही ये चराहाग एवं फसलों के अवशेषों आदि को मनुष्य को खाने योग्य बनाने में मदद करते हैं। टिकाऊ खेती का सबसे उत्तम उपाय है जैविक खेती। जैविक खेती से तात्पर्य है कि खेती में रसायनिक खाद, कीटनाशक व जैविक वृद्धिकारकों का उपयोग करके उत्पादन लिया जाय। जैविक खाद बनाने के लिये पशुओं की आवश्यकता पड़ेगी। क्योंकि पशुओं से ही गोबर, मलमूत्र इत्यादि प्राप्त होंगे।

इसके अतिरिक्त मुर्गी खाद भी भूमि की उर्वराशक्ति को बढ़ाने में काफी मदद करती है, क्योंकि मुर्गी खाद में लगभग 20 प्रतिशत प्रोटीन पाई जाती है। जिससे इस खाद में नाइट्रोजन की मात्रा अधिकतम लगभग 3 प्रतिशत व फास्फोरस एवं पोटाश क्रमशः 2-2 प्रतिशत होती है। वहीं सुअर के मल में नत्रजन, फास्फोरस एवं पोटाश क्रमशः 0.7, 0.6 एवं 0.7 प्रतिशत पाए जाते हैं।

इसके अतिरिक्त जैविक खेती में विभिन्न खादों जैसे गोबर व फसल अवशेष के मिश्रण से खाद (नाडेप या कम्पोष्ट खाद), गोबर गैस संयंत्र से उपलब्ध खाद एवं वर्मी कम्पोस्ट आदि का उपयोग होता है। वर्मी कम्पोस्ट केंचुए की मदद से बनने वाला खाद है। एक क्विंटल ताजा वर्मी कम्पोस्ट से भूमि को 800 ग्राम पोटेशियम प्राप्त होता है। इसके अतिरिक्त इसमें सूक्ष्म पोषक तत्व जैसे कि जस्ता 0.16: तांबा 0.09 और लोहा 1.38 अनुपात होते हैं।

इसमें कुछ पादप हार्मोन्स और एन्टीबायोटिक्स भी होते हैं जो कि फसल की अच्छी पैदावार एवं पौध संरक्षण को बढ़ावा देते हैं। वर्मी कम्पोस्ट की अम्लीयता क्षारीयता 6.8 से 7.2 के बीच होती है। इसमें मृदा का तापमान संतुलित रहता है व मिट्टी में पानी सोखने की प्रवृति बढती हैं। इसके अतिरिक्त मुख्य उपयोग पशु का ये है कि वह जमीन जो कि अत्यंत अनउपजाऊ एवं बंजर होती है उसको भी उपजाऊ बनाने में मदद करते हैं।

उपरोक्त के अलावा टिकाऊ खेती में प्राकृतिक संसाधनों का भी प्रभावी ढंग से उपयोग करना है। इसके लिये हम पशु ऊर्जा का उपयोग मशीनी ऊर्जा के स्थान पर कर सकते हैं। पशु ऊर्जा का उपयोग क्यों करना चाहिए यह निम्न बातों से स्पष्ट होता है-

- पशुओं का उपयोग किसान की कार्यक्षमता को बढ़ाता है। यह फसलों के विविधीकरण कृषि क्षेत्र को बढाने एवं समय पर कृषि कार्यों को सम्पन्न करने में सहायक है।
- मशीनों पर आधारित उत्पादन तन्त्र कुछ ही फसलों तक सीमित रह जाता है और इस तरह विविधता को तहस-नहस कर देता है।
- पशु चलित यन्त्र सस्ते, सुलभ और गांवों में भी बनाये जा सकते हैं।
- पशु ऊर्जा का उपयोग मंहगे और अनवीनीकरण ईंधन पर होने वाले खर्च को बचाना है। पशु खेतों से ही आने वाले फसलों के अवशेष को खाकर उसे उपयोगी चीजों जैसे- दुग्ध, बायोगैस, खाद इत्यादि में बदल देते हैं, और ये भोजन के लिये मानव के प्रतियोगी भी नहीं है।
- ऊर्जा पशुओं का उपयोग पशुओं को फसलोत्पादन से जोड़ने में किसानों की मदद करता है। इस तरह पशुओं की शक्ति का फसलोत्पादन निरन्तर बनाये रखने के लिये दोहन होता रहता है।
- एक बार ट्रैक्टर या पावर टिलर की जीवन अवधि जो कि प्रायः बहुत छोटी होती है, समाप्त हो जाती है तो उसका कोई प्रयोगात्मक उपयोग नहीं रह जाता है। पशु उस पर किये गये खर्च को कई तरह से लौटाता है। वह जीवनभर व मृत्यु उपरान्त भी पशु पालकों को अनेक उपयोगी चीजें देता है। मशीनों के साथ किसानों के कर्ज में फंसने का डर बना रहता है। यदि बढ़ी ऋण सहायता से मशीनीकरण पूर्ण हो भी जाये तो अधिकतर कृषक आबादी अपनी भूमि छोड़ने के लिये बाध्य हो जायेगी। क्योंकि मशीनों की सहायता से बड़े से बड़ा क्षेत्र कुछ ही हाथों द्वारा तैयार किया जा सकता है। इस प्रकार से स्पष्ट है कि टिकाऊ खेती में पशुओं का बहुत बढ़ा योगदान है जिसकों अनदेखा नहीं किया जा सकता है।

रसायनिक उर्वरकों के लाभकारी सुझाव

उर्वरकों के भरपूर लाभ कैसे लें इसके लिये निम्नलिखित बातें ध्यान रखें -

- मिट्टी परीक्षण के आधार पर नत्रजन, फास्फोरस एवं पोटाश तत्व का संतुलित मात्रा में प्रयोग करें.● मिट्टी परीक्षण के आधार पर गौण व सूक्ष्म पोषक तत्वों का उपयोग करें. ● रसायनिक उर्वरकों के साथ जैविक खादों का समावेश करें.
- फसल चक्र अपनायें. ● उपयुक्त सस्य क्रियायें अपनायें.

मिट्टी परीक्षण के आधार पर गौण व सूक्ष्म पोषक तत्वों का उपयोग--जैसा कि विदित है कि हमारे द्वारा लगातार अधिक मुख्य तत्वों वाले रसायनिक उर्वरक उपयोग कर उपज में बढ़ोत्तरी की है लेकिन जमीन से गौण व सूक्ष्म पोषक तत्व जमीन में नहीं दिये जा रहे हैं. जिसके फलस्वरूप हमारी जमीन में मुख्य पोषक तत्वों के साथ-साथ गौण व सूक्ष्म पोषक तत्वों की भी कमी हो गई है। जिसमें सल्फर तत्व चौथे आवश्यक पोषक तत्व के रूप में उभर कर आया है। जिसका मुख्य कारण सघन खेती के साथ जमीन में इन पोषक तत्वों का उपयोग न करना तथा कार्बनिक पदार्थों का खेतों में न डालना है।

रसायनिक उर्वरकों के साथ जैविक खादों का समावेश- परम्परागत खेती के समय रसायनिक खादों का उपयोग कम था लेकिन किसान खेती में गोबर खाद,हरी खाद एवं भूसा आदि को खेत में मिला दिया जाता था तथा सघन खेती भी नहीं होती थी जिसके कारण जमीन की जलधारण क्षमता अच्छी थी तथा पोषक तत्व भी पर्याप्त होते थे परंतु वर्तमान युग मशीनरी की खेती का युग हो गया है जिसमें पशुपालन कम होता जा रहा है किसान भाई अधिक उपज प्राप्ती के लिये मिट्टी के स्वास्थ्य का ध्यान रखना भूल गये हैं जिसके परिणाम किसानों को दिखने लगे हैं कि रासायनिक खाद दिये जाने पर फसल उसका उपयोग नहीं कर पा रहे हैं। इसलिये प्रत्येक तीन वर्ष में एक बार 15-20 टन गोबर खाद प्रति हेक्टर खेत में डालें.

फसल चक्र अपनायें- फसल चक्र से आशय एक ही फसल को लगातार न बोयें. पहली वर्ष यदि खरीफ में सोयाबीन और रबी में गेहूं तो दूसरी वर्ष खरीफ में मक्का एवं रबी में चना बोयें। फसल चक्र में दलहनी फसलों का समावेश अवश्य करें. दलहनी फसल वायुमंडलीय नत्रजन को अवशोषित कर स्थिर करती है. तथा नत्रजन दलहनी फसल में नहीं देना पड़ता है.उथली जड़ वाली फसल के बाद गहरी जड़ वाली फसल,अधिक पानी वाली फसल के बाद कम पानी चाहने वाली फसल बोये. फसल चक्र अपनाने से उर्वरकों की क्षमता तो बढ़ती ही है साथ ही साथ कीड़े बीमारी भी कम लगती है।

उपयुक्त सस्य क्रियायें अपनायें- उपयुक्त सस्य क्रियायं अपनाने से रसायनिक उर्वरकों की दी गई मात्रा अधिक से अधिक फसल द्वारा ली जावेगी जिससे उपज भी अच्छी मिलेगी. इसके लिये कुछ मुख्य कृषि क्रियायें मुख्य हैं जो निम्नलिखित हैं.

● उपलब्ध साधनों के अनुरूप अधिक उपज देने वाली किस्म बोयें. ● बीज जनित रोगों से बचने के लिये बाबिस्टीन, थाइरम से बीज को उपचारित कर बोयें. ● किस्म की पकने की अवधि के अनुसार समय पर बुवाई करें.● उर्वरकों को सही विधि व समय पर दें. ● फसलों की बढ़वार के क्रान्तिक समय में खेत को खरपतवार रहित रखें. ● सिंचाई आवश्यकतानुसार एवं सही विधि से करें. ● रोग व बीमारियों का प्रबंधन करें. ● समय पर कटाई कर,थ्रेसिंग कर उचित भंडारण करें.

दूध के साथ रेशम उत्पादन

मिल्क विथ सिल्क सिद्धांत की जरूरत और महत्व

भारत के कई इलाकों में सिंचाई की सुविधाएँ सीमित मात्रा में होने से 50 प्रतिशत से ज्यादा खेती बारानी है। यह सर्वविदित हैं कि पिछले कुछ वर्षों से अनियमित मानसून, अमौसमी बरसात, कठोर जलवायु तथा अन्य कई कारणों से बारानी खेती बिना भरोसे की तथा नुकसानमंद साबित हो रही हैं। इससे किसानों में निराशा आर्थिक नुकसान के कारण आत्महत्या तक हो रही हैं। इस स्थिति से उबरने का एक उपाय हैं खेती से जुड़े पूरक व्यवसाय शुरू करना और उन्हें ज्यादा प्रभावी तथा ज्यादा फायदेमंद बनाने हेतु दो या तीन पूरक व्यवसायों को एक साथ करना जैसे दुग्ध व्यवसाय और रेशमकीट पालन एक साथ करना जो एक-दूसरे के पूरक हैं।

दुग्ध उत्पादन हेतु पशुपालन तथा रेशम कीट पालन हेतु मलबेरी की काश्त करना एक-दूसरों के कई तरह से पूरक हैं। पशुओं को दूध उत्पादन हेतु पौष्टिक चारा चाहिए जो उन्हें मलबेरी की पत्तियों से मिलता हैं।

इसके अलावा मलबेरी की पत्तियाँ जायकेदार पाई गई। उनकी पाचकता 70 से 90 च पाई गई। उनमें खनिज लवण 25 प्रतिशत तक पाये गये जो दूध उत्पादन बढ़ाने हेतु तथा पशु के स्वास्थ्य एवं प्रजनन क्षमता बरकरार रखने हेतु अत्यंत उपयुक्त हैं।

एक गाय को उसके शरीर पोषण हेतु रोजाना 7 ग्राम कैल्शियम तथा 7 ग्राम फॉस्फोरस आवश्यक होता हैं जबकि मलबेरी की पत्तियों में करीब 1.8 से 2.4 प्रतिशत कैल्शियम तथा 0.14 से 0.24 प्रतिशत फास्फोरस पाया गया हैं। इसका मतलब हैं कि अगर मलबेरी की पत्तियाँ भरपूर मात्रा में दुधारू पशु को खिलाई जाये तो उनके दूध उत्पादन में बढ़ोत्तरी होगी इसके अलावा उनका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा। एक वैज्ञानिक प्रयोग में पाया गया कि खुराक और मलबेरी को पत्तियां अनुक्रम 60:40 तथा 25:75 प्रतिशत इस अनुपात में खिलाने पर गायों का दूध उत्पादन 13.2 और 13.8 लीटर प्राप्त हुआ जबकि सिर्फ खुराक खिलाने पर 14.2 लीटर था। इसका मतलब यह हुआ की मलबेरी की पत्तियाँ खिलाने से दूध उत्पादन में ज्यादा कमी नहीं आई बल्कि खुराक की मात्रा कम लगने से उसके पोषण खर्च में कमी आई यानि मलबेरी की पत्तियां खिलाने से दूध उत्पादन का धंधा किफायती होता हैं।

रेशम कीटों को डाली हुई मलबेरी की जो पत्तियां बाकी रह जाती हैं वो पत्तियाँ, डालियाँ दुधारू पशुओं को खिलाया जाये तो वह बरबाद होने से बच जाता हैं। कुछ स्थानों पर रेशम की इल्लियों के अपशिष्ट पदार्थ पर नमक का घोल डालकर वह दुधारू पशुओं को खिलाया जाता हैं।

इस प्रकार रेशम कीट पालन तथा दुग्ध व्यवसाय का आपस में घनिष्ठ नाता जोड़कर दोनों ही व्यवसाय एक साथ एक ही खेत पर कर सकते हैं। इसमें जो मजदूर होते हैं उनका उत्कृष्ठ इस्तेमाल होता हैं. रेशम कीटों द्वारा कोष निर्माण होने पर उन्हें बेचकर पैसा प्राप्त होता हैं। इसके अलावा दुग्ध व्यवसाय से दूध, खाद तथा बछड़े बेंचकर अधिक धन प्राप्त होगा और इस प्रकार किसान भाईयों को कमाई के दो स्त्रोत प्राप्त होंगे जिससे ज्यादा आर्थिक सम्पन्नता का लाभ होगा।

रेशम कीट पालन हेतु प्रशिक्षण, जानकारी, तांत्रिक मार्गदर्शन, रेशम उद्योग, संचालनालय से प्राप्त होते हैं तथा दुग्ध व्यवसाय के विषय में जानकारी प्रशिक्षण तथा तांत्रिक मार्गदर्शन हर जिले में स्थित कृषि विज्ञान केंद्र, जिले के पशुपालन विभाग, कृषि विश्वविद्यालयों में स्थित पशुपालन एवं दुग्ध शास्त्र विभाग आदि जगह से प्राप्त कर सकते हैं।

ध्यान रहे, पूरक व्यवसाय के बिना किसान भाईयों की सही मायने में उन्नति नहीं हो सकती अतः पूरक व्यवसाय अवश्य अपनाएं और अपनी आर्थिक उन्नति हासिल करें.

'द आर्चीज' मेरे लिए फिल्म नहीं, बल्कि जिंदगी बदल देने वाला मौका थी

अभिनेता वेदांग रैना इन दिनों अपनी फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' को लेकर चर्चा में हैं। इसी बीच अभिनेता ने अपनी डेब्यू फिल्म 'द आर्चीज' को लेकर खुलकर बात की। बातचीत में वेदांग रैना ने बताया कि 'द आर्चीज' उनके लिए सिर्फ पहली फिल्म नहीं, बल्कि जिंदगी बदल देने वाला मौका थी। अभिनेता ने कहा, 'अगर 'द आर्चीज' मुझे नहीं मिलती, तो शायद मेरी जिंदगी बिल्कुल अलग दिशा में जा रही होती। उस समय मैं नौकरी ढूंढ रहा था और एमबीए के लिए आवेदन करने की तैयारी भी कर रहा था। मैं एक ऐसे मोड़ पर था, जहां मेरा भविष्य कुछ और ही हो सकता था।'

फिल्म रिलीज के बाद सोशल मीडिया पर हुई आलोचना और ट्रोलिंग को लेकर वेदांग ने कहा कि उन्होंने कभी भी इन बातों को खुद पर हावी नहीं होने दिया। उन्होंने कहा, 'सच कहूं तो मैंने उस पूरे अनुभव को कभी उस नजरिए से देखा ही नहीं। मेरे लिए सबसे बड़ी बात यह थी कि मैं पहली बार इतने बड़े स्तर पर स्क्रीन पर नजर आ रहा था और लोग मेरा काम देख रहे थे। मैं उस मौके के लिए बेहद खुश था।'

वेदांग ने साफ कहा कि लोगों की राय अपनी जगह है। लेकिन उनके लिए यह फिल्म सपनों को सच करने वाला मौका साबित हुई। उन्होंने कहा, 'मेरे लिए उस फिल्म का मतलब सिर्फ एक प्रोजेक्ट नहीं था, उसने मेरी पूरी जिंदगी बदल दी। इसलिए मैंने हमेशा उस अनुभव को अच्छे नजरिए से देखा। लोगों की राय अपनी जगह है, लेकिन मेरे लिए सबसे बड़ी बात यह थी कि मुझे ऐसा मौका मिला, जिसने मेरे सपनों को सच कर दिया। आज भी मैं उस मौके के लिए बेहद शुक्रगुजार हूं।'

वेदांग रैना ने यह भी बताया कि 'द आर्चीज' की पूरी स्टारकास्ट आज भी एक-दूसरे के संपर्क में रहती है। हालांकि सभी अपने-अपने काम में व्यस्त हैं। उन्होंने कहा, 'हम टच में हैं। सब लोग बहुत बिजी हो जाते हैं। जब मैं शूट कर रहा होता हूं तो बाकी लोग अपने काम में लगे होते हैं। सबकी अपनी-अपनी जर्नी है, लेकिन हम एक-दूसरे को मैसेज करते रहते हैं। किसी की फिल्म आती है तो उसे बधाई भी देते हैं।' बता दें कि 'द आर्चीज' 7 दिसंबर 2023 को नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई थी।

हॉरर फिल्म शैली में कदम रखने जा रही हैं जैकलीन फर्नांडीज

जैकलीन फर्नांडीज जल्द ही अपनी पहली पूर्ण हॉरर फिल्म के साथ इस शैली में कदम रखने जा रही हैं। अभिनेत्री काफी समय से इस जॉनर में एक मजबूत और अलग कहानी की तलाश में थीं और अब उन्हें ऐसा प्रोजेक्ट मिल गया है जिसने उन्हें बेहद उत्साहित कर दिया है। सूत्रों के अनुसार, यह फिल्म हॉरर, इमोशन और म्यूजिक का बेहतरीन मिश्रण होगी, जो दर्शकों को एक संपूर्ण सिनेमाई अनुभव देगी। फिल्म में जैकलीन मुख्य भूमिका निभाएंगी, जबकि दो मेल एक्टर्स को पहले ही फाइनल किया जा चुका है। फिलहाल फिल्म का टाइटल, अन्य कलाकारों के नाम और निर्देशक की जानकारी गुप्त रखी गई है।इस फिल्म का निर्माण ख्याति मदान के बैनर नॉट आउट एंटरटेनमेंट के तहत बड़े स्तर पर किया जाएगा। फिल्म की आधिकारिक घोषणा जल्द ही होने की उम्मीद है।सूत्रों का यह भी कहना है कि फिल्म का एक टीज़र और एक गाना पहले ही शूट किया जा चुका है, जबकि कलाकार इन दिनों वर्कशॉप्स में हिस्सा ले रहे हैं। फिल्म की शूटिंग इस महीने के अंत तक शुरू होने की संभावना है।दिलचस्प बात यह है कि जैकलीन इससे पहले भूत पुलिस में नजर आ चुकी हैं, लेकिन वह एक हॉरर-कॉमेडी फिल्म थी। यह नई फिल्म उनके करियर की पहली पूरी तरह हॉरर फिल्म होगी।वर्क फ्रंट की बात करें तो जैकलीन हाल ही में हाउसफुल 5 में नजर आई थीं और अब वह वेलकम टू द जंगल में दिखाई देंगी, जो 26 जून 2026 को रिलीज होने वाली है।

निर्देशक नेल्सन के साथ काम करना चाहते हैं सूर्या

सुपरस्टार सूर्या इन दिनों अपनी फिल्म 'करुप्पू' की सफलता का जश्न मना रहे हैं। सिनेमाघरों के बाद फिल्म प्राइम वीडियो पर आ चुकी है, जहां इसे लोगों से भरपूर प्यार मिल रहा है। इस बीच, खबर है कि सूर्या अपनी आगामी फिल्मों की तैयारी में जुट गए हैं। ऐसी चर्चा है कि वह अपनी 50वीं फिल्म के लिए निर्देशक नेल्सन दिलीपकुमार के साथ काम करना चाहते हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक... 'सूर्या निर्देशक नेल्सन के साथ फिल्म 'सूर्या 50' में काम करने के इच्छुक हैं। बताया जा रहा है कि सूर्या की टीम ने इस कॉमेडी फिल्म में संभावित सहयोग के लिए निर्देशक से संपर्क भी किया है। हालांकि नेल्सन अभी रजनीकांत की फिल्म 'जेलर 2' में बिजी हैं। फिलहाल दोनों के सहयोग की आधिकारिक पुष्टि अभी तक नहीं हुई है।' सूर्या की अगली फिल्म 'विश्वनाथ एंड संस' हैं। इसमें उनके साथ एक्ट्रेस मामिता बैजू दिखाई आएंगी। यह फिल्म 14 अगस्त को रिलीज होने के लिए तैयार है। बॉक्स ऑफिस पर इसकी टक्कर सनी देओल की आगामी फिल्म 'बटवारा 1947' और इमरान हाशमी की फिल्म 'आवारापन 2' के साथ होगी।

'ढिंढोरा 2' लेकर आएंगे भुवन बाम, शो 'इंडियाज गॉट लेटेंट 2' का हिस्सा भी बनेंगे

यूट्यूबर से एक्टर बने भुवन बाम की वेब सीरीज 'ढिंढोरा 2' जल्द ही दर्शकों को देखने को मिलेगी। इसकी शूटिंग वह इन दिनों कर रहे हैं। इस वेब सीरीज में एक नए किरदार की एंट्री भी होने वाली है। समय रैना के शो 'इंडियाज गॉट लेटेंट 2' ने भुवन ने अपनी वेब सीरीज की शूटिंग का जिक्र किया। साथ ही समय रैना के शो में आने की बात भी कही।

सोशल मीडिया पर की घोषणा

भुवन बाम ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर शो 'ढिंढोरा 2' की घोषणा की। वह सीरीज के किरदार टीटू मामा के गेटअप में नजर आए। उनके साथ एक महिला किरदार भी खड़ी दिखीं। 'ढिंढोरा 2' में वह इस बार नए किरदार की एंट्री करेंगे। समय रैना के शो 'इंडियाज गॉट लेटेंट 2' के पहले एपिसोड में भी भुवन बाम ने फोन बताया कि वह 'ढिंढोरा 2' की शूटिंग कर रहे हैं। दरअसल, समय रैना ने एक प्रतियोगी की बात फोन पर भुवन बाम से करवाई थी, वह प्रतियोगी भुवन का बहुत बड़ा फैन था।

'ढिंढोरा 2' को भुवन ने ही लिखा है

'ढिंढोरा 2' को भुवन बाम, अब्बास दलाल, हुसैन दलाल, चेतन डांगे, गोपाल दत्त, शुभम दुबे और अनंत दुबे ने लिखा है। इसे रोहित राज और भुवन बाम ने प्रोड्यूस किया है। इस वेब सीरीज के पहले सीजन को फैंस ने खूब पसंद किया था। मल्टी टैलेंटेड हैं भुवन बाम भुवन बाम एक चर्चित कॉमेडियन, एक्टर, राइटर, सिंगर और डिजिटल कंटेंट क्रिएटर हैं। उन्होंने यूट्यूब पर भारत में ऑनलाइन स्केच कॉमेडी की शुरुआत की थी।

रुक्मिणी वसंत के साथ फिल्म बनाने जा रहे हैं नानी

साउथ के अभिनेता और फिल्ममेकर नानी अपने प्रोडक्शन हाउस 'वॉल पोस्टर सिनेमा' के तहत एक फिल्म बनाने की तैयारी कर रहे हैं। खास बात यह है कि इसमें लीड एक्ट्रेस के तौर पर 'कांतारा चैप्टर 1' की अभिनेत्री रुक्मिणी वसंत को कास्ट किया गया है। खबरों के मुताबिक, इस प्रोजेक्ट को मुरलीकांत देवसोथ डायरेक्ट करेंगे। इस फिल्ममेकर को पहले अपनी रूरल ड्रामा फिल्म 'धंडोरा' के लिए तारीफ मिल चुकी है।

स्क्रिप्ट और प्री-प्रोडक्शन का काम जारी

नानी की टीम अभी स्क्रिप्ट और प्री-प्रोडक्शन के दूसरे कामों पर काम कर रही है। सूत्रों का कहना है कि मुरलीकांत कहानी को फाइनल टच दे रहे हैं और साथ ही सपोर्टिंग कास्ट और टेक्निकल क्रू को भी तय कर रहे हैं। मेकर्स फिल्म की शूटिंग शुरू करने से पहले हर पहलू की सावधानी से प्लानिंग कर रहे हैं। इस प्रोजेक्ट के बारे में एक बड़ी अपडेट फीमेल लीड का चुनाव है। खबर है कि हीरोइन के रोल के लिए एक्ट्रेस रुक्मिणी वसंत को चुना गया है। एक्ट्रेस ने फिल्म का हिस्सा बनने के लिए हामी भर दी है। रुक्मिणी अपनी परफॉर्मेंस के लिए चर्चा में रही हैं। खबर है कि इस फिल्म के लिए लीड एक्टर की तलाश अभी जारी है। प्रोडक्शन टीम ऐसे सही एक्टर की तलाश में है जो कहानी में फिट बैठे और किरदार में जान डाल सके। हीरो के तय होने के बाद, मेकर्स के इस प्रोजेक्ट के बारे में ऑफिशियल अनाउंसमेंट करने की उम्मीद है। फिल्म की शूटिंग अगस्त में शुरू होने की संभावना है। तब तक टीम तैयारी जारी रखेगी और जरूरी शुरुआती काम पूरे कर लेगी। चूंकि फिल्म नानी के बैनर तले बन रही है, इसलिए फिल्म प्रेमियों के बीच अभी से उम्मीदें बढ़ रही हैं।

मां बनने के बाद जिंदगी बदल गई है

रुबीना दिलैक ने बताया कि मां बनने के बाद जिंदगी कैसे बदल गई है। उन्होंने कहा कि जीवा और ईधा जुड़वा बेटियों के पालन -पोषण में उन्हें पति अभिनव का पूरा साथ मिला है। उन्होंने बताया- मुझसे तो कई लोगों ने कहा भी कि मां बन जाओगी, तो में लीड रोल नहीं मिलेंगे।

टेलिविजन जगत की मशहूर एक्ट्रेस रुबीना दिलैक को इंडस्ट्री में लंबा अरसा हो गया है, मगर बीते वक्त के साथ वे निखरती चली गई हैं। फिक्शन शोज हों या नॉन फिक्शन अथवा हों रियलिटी शोज, वे हर जगह चमकी हैं। दो जुड़वा बेटियों की मां रुबीना फैशन गोल्स ही नहीं बल्कि फैमिली गोल्स भी सेट करती नजर आती हैं। उनका मानना है कि पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ में संतुलन बनाना चुनौतीपूर्ण जरूर है, मगर असंभव नहीं। इंटरनेट और सोशल मीडिया पर कभी बिकीनी तो कभी अपने सेक्सी कॉस्टयूम से रुबीना चर्चा में रहती हैं। खुद को कैसे मेंटेन कर पाती हैं? इस सवाल के जवाब में वे कहती हैं, 'आपको अपने दिमाग और बॉडी को एक खास तरह की फिटनेस के साथ रखना ही पड़ता है, फिर इसके बाद खूबसूरत लगना बायप्रोडक्ट हो जाता है। मैं किसी खास शेप या फिगर के लिए ऐसा नहीं करती। मुझे अपनी एनर्जी हाइ चाहिए और मेरी परफॉर्मेंस पर फर्क नहीं पड़ना चाहिए, इसी वजह से मैं हेल्दी रहना पसंद करती हूं। इसके लिए मैं डिसिप्लिन में रहना पसंद करती हूं।'

शादी में लगा था बहुत हो गया, अब बस

रुबीना और उनके पति अभिनव शुक्ला की शादी कई उतार-चढ़ाव से गुजरी। बिग बॉस 14 में जाने से पहले उनकी शादी तलाक के कगार तक पहुंच गई थी। रुबीना कहती हैं, 'हम अपनी शादी में ये जान चुके हैं कि बॉलिवुड से हमें आइडिया ऑफ लव बेचा गया है। मगर असलियत में वो वैसा नहीं है। प्यार हर रोज का कमिटमेंट है। जब आप सुबह उठते हैं और अपने पार्टनर की आंखों में देखते हैं, तो उनकी तमाम बुराइयों, कमियों और नकारत्मकता के बावजूद आप उनके साथ रहना चाहते हैं, तो वही प्यार है। आपको लगातार रिश्तों पर काम करना पड़ता है। मगर यदि आप ये सोचते हैं कि ये मैं इसके साथ कहां फंस गई, तो फिर उस रिलेशनशिप से तुरंत निकल जाइए। हमारी शादी में अभिनव ने मेरे मामले में कभी हार नहीं मानी। हां मैं कह देती थी, आइ एम डन, बहुत हो गया, अब नहीं।' तब अभिनव कहते, 'शांत हो जाओ, थोड़ा सोच लो' अभिनव ने मुझे बहुत संभाला।' सभी जानते हैं कि रुबीना जीवा और ईधा जैसी दो जुड़वा बेटियों की मां हैं, मगर ट्विंस के पालन -पोषण में उन्हें पति अभिनव का पूरा साथ मिला है। वे कहती हैं, 'बच्चों के पालन-पोषण में बहुत पेरेंट्स की पार्टनशिप बहुत जरूरी है और हम उसी तरीके से आगे बढ़ते हैं।'

वो कहते, मां बनने के बाद लीड रोल नहीं मिलेंगे

कई बार मदरहुड महिलाओं के लिए रुकावट भी बन जाता है। मगर क्या एंटरटेनमेंट की दुनिया में भीअभिनेत्रियों को इस समस्या का सामना करना पड़ता है? इस पर रुबीना कहती हैं, 'मैं आपको बताना चाहूंगी कि 60 से 65 प्रतिशत महिलाएं मां बनने के बाद काम रेज्यूम नहीं कर पातीं, क्योंकि उनके पास सपोर्ट सिस्टम नहीं होता। हमने ऐसा कोई इकोसिस्टम भी नहीं बनाया, जहां नई मांएं अपने मदरहुड के साथ करियर भी आगे बढ़ा सकें। हमारी इंडस्ट्री की खासियत ये हैं कि हम काम पर रेज्यूम करना चुन सकते हैं। मगर हमारे काम करने का नेचर ऐसा बन गया है कि लोग आपको लेबल और जज करना शुरू कर देते हैं। जैसे 'मां बन गई है, उम्र दिखने लगी है', 'अलग सी दिखने लगी है', 'अब ये वाले रोल नहीं भाते' तो अब यहां आपको एक बहुत ही पॉजिटिव और एनर्जी वाले माइंडसेट के साथ काम करना है, तो साथ में सुंदर भी लगना है, तो एक अलग तरह का दबाव रहता है। मुझसे तो कई लोगों ने कहा भी कि मां बन जाओगी, तो में लीड रोल नहीं मिलेंगे। डर और इन्सिक्योरिटी दोनों सताते है, मगर आपको उसी के बीच रास्ता तलाशना होता है। मां बनने के बाद मेरे हाथ से बहुत सारा काम और प्रॉजेक्ट्स गए हैं।'

स्वत्वाधिकार प्रकाशन एवं मुद्रक राजकुमार आमेटा के लिए स्मार्ट कम्प्यूटर्स एण्ड प्रिन्टर्स, कोर्ट के सामने, माण्डलगढ़ से प्रकाशित एवं मुद्रित। मो. 9649222850 Email.smarthalchalnews@gmail.com